www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक
शब्दवाणी समाचार
नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

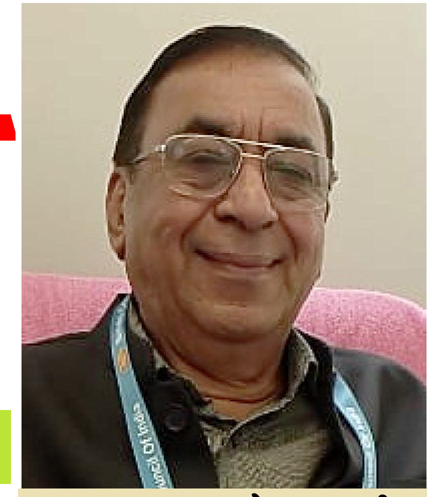

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

वर्षः 24 अंकः 259 नई दिल्ली, मंगलवार, 14 जुलाई, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

Dedicated to Sindhi Council of India

उपलब्धि

भारत की बेटियों ने लॉर्ड्स में रचा इतिहास

इंग्लैंड को 270 रन से रौंदकर टेस्ट मैच जीता

लंदन। भारत की बेटियों ने सोमवार को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ 270 रन से दमदार जीत दर्ज करते हुए इतिहास रच दिया है। भारत ऐसा पहला देश बन गया, जिसने लॉर्ड्स में महिला टेस्ट मैच जीता है। यह लॉर्ड्स के मैदान पर महिलाओं का पहला टेस्ट मैच था। जीत के लिए 457 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेजबान टीम अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 186 रन पर ढेर हो गई। इस पारी में भारत के लिए स्नेह राणा ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले, जबकि सयाली सतघारे, क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट हासिल किए।

चढ़ावा चोरी पर सुप्रीम कोर्ट ने दिया नोटिस

सर्वोच्च अदालत ने उप्र सरकार से एसआईटी की स्टेटस रिपोर्ट मांगी

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया है। इसके अलावा, केंद्र और राज्य सरकारों को भी नोटिस जारी किया गया है। वहीं, कोर्ट ने मामले की जांच कर रही उत्तर प्रदेश एसआईटी को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन कई जनहित याचिकाओं पर सुनवाई की, जिनमें अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को मिले दान और चढ़ावे के प्रबंधन में कथित वित्तीय अनियमितताओं की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की गई। ये याचिकाएं राजद सांसद सुधाकर सिंह, अधिवक्ता नरेंद्र कुमार गोस्वामी और वकील अजय कुमार राय व दिनेश कुमार यादव और हिन्दू धर्म परिषद ने दायर की हैं। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की तीन सदस्यीय पीठ इन याचिकाओं पर सुनवाई की। सोमवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट में एक वकील ने कहा कि 123 साल की लड़ाई के बाद एक और लड़ाई शुरू हो गई है। मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है और इलेक्ट्रॉनिक स्वरूप वाले सबूतों को सुरक्षित रखा जाना जरूरी है। सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए।

- राम मंदिर के चढ़ावे में हेराफेरी का है मामला
- कई जनहित याचिकाओं पर सुनवाई की गई

सीलबंद लिफाफे में दाखिल की जाएगी रिपोर्ट

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से गठित एसआईटी को निर्देश दिया कि स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की जाए। इसके बाद सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को बताया कि स्टेटस रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में दाखिल की जाएगी। बाद में कोर्ट ने मामले को आगे की सुनवाई के लिए अगले सोमवार को सूचीबद्ध किया।

अब तक 8 लोगों की गिरफ्तारी हुई है

यह मामला अयोध्या में राम मंदिर में भक्तों की ओर से दान किए गए नकद और कीमती सामान के गलत इस्तेमाल के आरोपों से जुड़ा है। इस मामले में अब तक 8 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा हो चुका है।

असम में विदेशी घोषित 27 लोगों को राहत

- नागरिकता का फैसला निष्पक्ष प्रक्रिया से हो
- हाईकोर्ट का फैसला रद्द, दोबारा सुनवाई होगी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को असम के 27 लोगों को विदेशी घोषित करने से जुड़े मामलों में गुवाहाटी हाईकोर्ट के फैसले रद्द कर दिए। कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति की नागरिकता या विदेशी होने का फैसला निष्पक्ष, कानूनी और उचित प्रक्रिया के तहत ही होना चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि नागरिकता और विदेशी होने का सवाल संविधान और कानून से जुड़ा बेहद महत्वपूर्ण विषय है। सभी मामले दोबारा सुनवाई के लिए फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल को भेज दिए गए है। इन लोगों को फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल ने विदेशी घोषित किया था।

गोहत्या प्रतिबंध वाले फैसले पर लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु में गोहत्या पर पूरी तरह से बैन लगाने के मद्रास हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी। 27 मई के हाईकोर्ट ने 1976 के सरकारी आदेश को लागू करके तमिलनाडु में गोहत्या पर राज्यव्यापी प्रतिबंध को तुरंत लागू करने का निर्देश दिया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सोमवार को मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि अंतरिम आदेश के जरिए फैसले पर रोक लगाने से पहले उसमें सुधार की जरूरत थी।

सार संक्षेप

पूर्व सांसद व कांग्रेस नेता एच. हनुमंथप्पा का निधन

चित्रदुर्ग। पूर्व राज्यसभा सदस्य एच. हनुमंथप्पा का रविवार शाम को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार चित्रदुर्ग में जोगिमट्टी रोड स्थित मुक्तिधाम में किया गया। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा के पूर्व सदस्य एच. हनुमंतप्पा के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है।

रामबन में कई गाड़ियों में टक्कर, 18 अमरनाथ यात्री घायल

जम्मू। सोमवार सुबह रामबन जिले के चंदरकोट के लंगर पॉइंट पर पहलगाम जा रहे काफिले में दो एसआरटीसी बसों, एक कार और एक प्राइवेट बस के बीच कई गाड़ियों की टक्कर में कम से कम 18 तीर्थयात्री घायल हो गए। सभी 18 घायल यात्रियों को तुरंत इलाज के लिए रामबन के डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने कहा कि सभी को मामूली चोटें आई हैं और उनकी हालत स्थिर है।

बैंकॉक के पब में लगी आग से 27 लोगों की मौत

बैंकॉक। थाईलैंड के बैंकॉक के चतुचक जिले में लाट फ्राओ रोड के पास एक पब में आग लगने से 27 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों अन्य घायल हो गए। थाईलैंड मीडिया ने बताया कि आग स्थानीय समयानुसार रविवार रात करीब 11:57 बजे लगी और बाद में बुझा दी गई। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, घायलों को इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया।

अमेरिका ने ईरान में मचाई तबाही, लड़ाकू विमान से हमला, आईआरजीसी के ड्रोन और मिसाइल खाड़ी देशों पर गरजे

तेहरान/वाशिंगटन/कुवैत सिटी/मनामा/अम्मान, 13 जुलाई (हि.स.)। होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका और ईरान के बीच छिड़ी वर्चस्व की जंग से पश्चिम एशिया में फिर स्थिति गंभीर हो गई है। अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने सीधे खाड़ी देशों को निशाना बनाया है। अमेरिका ने रविवार रात ईरान पर कई घंटों तक ताबड़तोड़ हमले किए। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकॉम) ने कहा कि ईरान के दर्जनों सैन्य ठिकानों को मटियामेट कर दिया गया। सेंटकॉम के इस दावे के बाद ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि खाड़ी में सोमवार का सूरज उगने के साथ ही ईरान ने इस हमले का जवाब देते हुए इलाके में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया।

सीएनएन, अल जजीरा, इरना, फार्स और जॉर्डन न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सेंटकॉम ने ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले आम नागरिकों के जहाजों और कमर्शियल जहाजों पर हमला कर रहा है। ईरान की ताकत को कमजोर करने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर अमेरिकी सेना ने ईरान पर हमले किए। सेंटकॉम ने एक्स पर कहा कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ हमलों का नया दौर पूरा कर लिया है। सटीक हथियारों से कई स्थानों पर दर्जनों ठिकानों को निशाना बनाया गया। सेना ने पहली बार यूएस फाइटर प्लेन, नौसेना के जहाजों, वन-वे अटैक एरियल

ड्रोन और वन-वे अटैक सी ड्रोन का इस्तेमाल करके ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, कोस्टल रडार साइट, मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं और छोटी नावों पर हमले किए। इससे 24 घंटे पहले अमेरिका ने ईरान के लगभग 140 सैन्य ठिकानों पर बमबारी की थी।

सेंटकॉम के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने कहा कि ईरान की एक क्रूज मिसाइल और एक वन-वे अटैक ड्रोन को मार गिराया गया है। अमेरिकी हमलों का मकसद ईरान की सैन्य क्षमता को कमजोर करना है। ईरान के खुजेस्तान प्रांत के डिप्टी गवर्नर वलीओल्लाह हयाती ने कहा है कि आज सुबह माहशहर में एक खेत पर बने सिंचाई पंप केंद्र पर मिसाइल गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। ईरान के बंदर अब्बास, सिरिक और जास्क जैसे बंदरगाह शहरों के साथ-साथ केशम द्वीप पर भी जोरदार धमाके हुए हैं।

'एथनॉल' मुनाफाखोरी का नया नाम : अखिलेश

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां) समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एथनॉल मिश्रित ईंधन की नीति को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि 'एथनॉल' मुनाफाखोरी का नया नाम बन गया है और यह सरकार, एथनॉल उत्पादकों तथा तेल कंपनियों की साझेदारी वाला मॉडल है। श्री यादव ने सोमवार को एक्स पर जारी एक बयान में कहा कि सरकार एथनॉल के समर्थन में प्रदूषण कम होने और कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटने जैसे तर्क देती है, लेकिन यह नहीं बताती कि इससे वाहनों की माइलेज कम होती है और उनके रखरखाव का खर्च बढ़ जाता है। उन्होंने दावा किया कि एथनॉल मिश्रित ईंधन के कारण वाहनों में स्टार्ट होने की समस्या बढ़ रही है, औसत कम मिलने से अधिक ईंधन की खपत होती है तथा वाहन जल्दी खराब हो रहे हैं।

दिल्ली दंगा : आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या में ताहिर हुसैन समेत पांच दोषी

कड़कड़डूमा कोर्ट ने इस मामले के छह आरोपितों को बरी करने का भी आदेश दिया

नई दिल्ली/ (हि.स.)। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने 2020 में दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत पांच लोगों को दोषी करार दिया है। एडिशनल सेशंस जज प्रवीण सिंह ने इस मामले के छह आरोपितों को बरी करने का भी आदेश दिया।

कोर्ट ने इस मामले में ताहिर हुसैन के अलावा नाजिम, कासिम, अनस और जावेद को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने हसीन ऊर्फ मुल्लाजी ऊर्फ सलमान, समीर खान, फिरोज, जावेद, गुल्फाम, शोएब आलम ऊर्फ बॉबी और मुंतजिम ऊर्फ मुसा को इस मामले से बरी करने का आदेश दिया ।दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 3 जून, 2020

को इस मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। क्राइम ब्रांच की चार्जशीट में कहा गया कि 24 और 25 फरवरी 2020 को ताहिर हुसैन ने अपने घर और चांदबाग पुलिया के पास मस्जिद से भीड़ का नेतृत्व किया और उसे सांप्रदायिक रुप दिया।

चार्जशीट में कहा गया था कि अंकित शर्मा हत्या के लिए साजिश रची गई थी। अंकित शर्मा को ताहिर हुसैन के नेतृत्व में भीड़ ने खास रुप से टारगेट किया। खजूरी खास इलाके में ताहिर हुसैन के घर के बाहर वारदात हुई। शर्मा की हत्या के बाद भीड़ ने एक नाले में शव फेंक दिया। पुलिस के मुताबिक कुछ लोग शव नाले में फेंक रहे थे। अंकित शर्मा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टरों ने पाया था कि तेज धार वाले हथियार से 51 वार के निशान हैं। ताहिर ने ही चांदबाग इलाके में भीड़ को उकसाया। चार्जशीट में ताहिर हुसैन को मास्टरमाइंड बताया गया है।

दिल्ली पुलिस ने अंकित के पिता के बयान पर ताहिर हुसैन के खिलाफ केस दर्ज किया है। ताहिर हुसैन के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 365, 201 और धारा 34 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

बीएसएनएल की सेवा आय पहली तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़कर 4,418 करोड़ रुपये हुई

नई दिल्ली, 13 जुलाई (हि.स.)। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में सेवा आय में लगभग 10 प्रतिशत बढ़कर 4,418 करोड़ रुपये हो गई है। अंतिम आंकड़े एक सप्ताह के भीतर जारी किए जाएंगे, लेकिन प्रारंभिक संकेतक कंपनी के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार दशार्ते हैं।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को विज्ञान भवन में बीएसएनएल की रणनीतिक समीक्षा एवं योजना बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि कंपनी के विभिन्न कारोबारी क्षेत्रों में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। एंटरप्राइज सेवाओं से होने वाली आय में वर्ष-दर-वर्ष 19.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह लगभग 1,700 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। वहीं, उपभोक्ता मोबिलिटी सेवाओं से प्राप्त आय में लगभग 8.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो 1,680 से 1,700 करोड़ रुपये के बीच रही। उपभोक्ता फिक्स्ड एक्सेस सेवाओं से आय लगभग 950 करोड़ रुपये के स्तर पर स्थिर बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि एंटरप्राइज कारोबार बीएसएनएल के लिए सबसे मजबूत क्षेत्र बनकर उभरा है। इस खंड में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 19 प्रतिशत तथा पिछली तिमाही की तुलना में 5.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रमुख दूरसंचार सर्किलों में छत्तीसगढ़, राजस्थान, महाराष्ट्र और असम ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

तमिलनाडु में गोवध पर पूर्ण प्रतिबंध के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली/(हि.स.)। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु में गोवध पर पूर्ण रोक लगाने के मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी है। न्यायाधीश विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली बेंच ने मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगाने का आदेश दिया। मद्रास उच्च न्यायालय ने 27 मई को गोवध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। याचिकाकर्ता और हिन्दू मक्कल काची के महासचिव के सूर्या प्रशांत ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर वध तय जगह पर करने का दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की थी, लेकिन उच्च न्यायालय ने गाय या बछड़े के वध पर कभी और कहीं भी करने पर पूर्ण रोक लगा दी थी। तमिलनाडु सरकार ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर राज्य में गोवध पर पूर्ण रोक लगाने के मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी थी। तमिलनाडु सरकार ने कहा कि उच्च न्यायालय का आदेश तमिलनाडु एनिमल प्रिजर्वेशन एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाला है।

याचिका में कहा गया था कि तमिलनाडु एनिमल प्रिजर्वेशन एक्ट में 10 साल से ज्यादा की उम्र की उन गायों का वध करने का प्रावधान है, जो काम करने या प्रजनन करने लायक नहीं हैं। याचिका में कहा गया है कि तमिलनाडु एनिमल प्रिजर्वेशन एक्ट के अलावा प्रिवेंशन ऑफ क्रूएल्टी टू एनिमल्स एक्ट, प्रिवेंशन ऑफ क्रूएल्टी टू एनिमल्स (स्लॉटर हाउस) रुल्स, तमिलनाडु अर्बन लोकल बॉडीज एक्ट और तमिलनाडु अर्बन लोकल बॉडीज रुल्स के प्रावधानों के मुताबिक भी पशुओं का वध करने की शर्तें तय की गई हैं, लेकिन उनका वध करने पर पूर्ण रोक नहीं है।

महंगाई का एक और झटका

जून में खुदरा महंगाई दर बढ़ी

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में खुदरा महंगाई दर जून में सालाना आधार पर बढ़कर 4.38 प्रतिशत (अनंतिम) हो गई है, जो कि मई में 3.93 प्रतिशत (अंतिम) थी। यह जानकारी सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी डेटा में दी गई। मंत्रालय द्वारा जारी डेटा के मुताबिक, जून में ग्रामीण क्षेत्र में खुदरा महंगाई दर मई के 4.25

प्रतिशत से बढ़कर 4.74 प्रतिशत हो गई है। वहीं, शहरी क्षेत्र में जून में महंगाई दर बढ़कर 3.92 प्रतिशत हो गई है, जो कि मई में 3.53 प्रतिशत थी। जून में खुदरा खाद्य महंगाई दर 5.32 प्रतिशत रही है। यह मई में 4.78 प्रतिशत थी।

बांग्लादेश में बाढ़ का कहर : मरने वालों की संख्या 51 पहुंची, 10 लाख से अधिक लोग प्रभावित

ढाका, 13 जुलाई (हि.स.)। बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 51 हो गई है, जबकि 10 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। हजारों परिवार अब भी जलभराव के बीच फंसे हुए हैं और राहत-बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

बांग्लादेश सरकार के अनुसार चट्टोग्राम, कॉक्स बाजार, बांदरबन, रंगामाटी, खगराछड़ी, मौलवीबाजार और हबीगंज जिले सबसे अधिक प्रभावित हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक अब तक 2,67,918 परिवार बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, जबकि करीब 50 हजार लोगों को राहत शिविरों में सुरक्षित पहुंचाया गया है।

सबसे अधिक तबाही कॉक्स बाजार जिले में हुई है, जहां अब तक 28 लोगों की मौत हो चुकी है। यही इलाका 10 लाख से अधिक रोहिंग्या शरणार्थियों का भी आश्रय स्थल है। पिछले सप्ताह भूस्खलन में एक दर्जन से अधिक रोहिंग्या शरणार्थियों की जान चली गई थी, जिसके बाद प्रशासन ने लाउडस्पीकर और वालंटियर्स की मदद से हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। आपदा प्रबंधन एवं राहत मंत्री इकबाल हुसैन ने कहा कि सरकार प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री, पीने का पानी और दवाइयां पहुंचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। सेना और नौसेना के जवान नावों के जरिए दूर-दराज के इलाकों में खाद्य सामग्री, पेयजल और आवश्यक दवाइयां पहुंचा रहे हैं। हालांकि बिजली आपूर्ति ठप होने, सड़कों और पुलों के क्षतिग्रस्त होने तथा संचार व्यवस्था बाधित होने से राहत और बचाव कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों के सामने भोजन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। चट्टोग्राम के निवासी नुरुल इस्लाम ने बताया कि उनके घर में अब भी पानी भरा हुआ है और खाना बनाने का कोई साधन नहीं बचा है। सूखा राशन भी खत्म हो चुका है और बिजली नहीं होने के कारण परिवार अंधेरे में रात गुजारने को मजबूर है। अधिकांश प्रभावित परिवार फिलहाल चिउड़ा, मुरमुरा, बिस्कुट और अन्य सूखे खाद्य पदार्थों के सहारे जीवनयापन कर रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार और बुधवार को भारी बारिश में कुछ कमी आने की संभावना है, लेकिन देश के अधिकांश हिस्सों में बारिश जारी रह सकती है।

संक्षिप्त समाचार

तीस हजारी कोर्ट के जज विनय सिंघल को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश

नई दिल्ली । दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट के जज विनय सिंघल को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश दिया है। उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल अरुण भारद्वाज के हस्ताक्षर से जारी आदेश में विनय सिंघल को निलंबित करने का आदेश दिया गया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने ऑल इंडिया सर्विसेज अनुशासन और अपील नियम, 1969 के नियम 3 (1)(ए) और दिल्ली हायर जुडिशियल सर्विस रूल्स के नियम 27 के तहत मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह कदम उठाया है। इस नियम के तहत उच्च न्यायालय को यह अधिकार है कि वह किसी भी अधिकारी के खिलाफ जांच या कार्यवाही लंबित रहने के दौरान उसे निलंबित कर सके। निलंबन आदेश में उच्च न्यायालय ने जज विनय सिंघल पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। निलंबन के आदेश के मुताबिक निलंबन की इस अवधि के दौरान विनय सिंघल का मुख्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मुख्यालय, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली का कार्यालय होगा। आदेश में यह साफ निर्देश दिया गया है कि वह सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना दिल्ली से बाहर नहीं जा सकते हैं। इसके अलावा आदेश में यह भी कहा गया है कि निलंबन की इस अवधि के दौरान प्रासंगिक नियमों के तहत विनय सिंघल को मिलने वाला निर्वाह भत्ता और अन्य मिलने वाले भत्ते नियमानुसार प्रदान किए जाएंगे।

महिला समृद्धि योजना का नाम बदल कर दिल्ली लक्ष्मी योजना किया गया

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार ने महिला समृद्धि योजना का नाम बदलकर दिल्ली लक्ष्मी योजना कर दिया है। योजना के तहत 21 से 60 वर्ष तक की पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। सरकार ने इस योजना को अगले महीने रक्षाबंधन के आसपास शुरू करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

इसके लिए पात्रता संबंधी मानक भी तय कर दिए गए हैं। योजना के प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्य सचिव राजीव वर्मा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि योजना का लाभ पात्र महिलाओं तक पारदर्शी, सरल और समयबद्ध तरीके से पहुंचे तथा इसके क्रियान्वयन में किसी प्रकार की प्रशासनिक बाधा न आने पाए। बैठक में योजना की पात्रता संबंधी मानकों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। निर्णय के अनुसार योजना का लाभ केवल उसी महिला को मिलेगा, जो स्वयं या उसका परिवार कम से कम 10 वर्षों से दिल्ली की निवासी हो। लाभार्थी व उसके परिवार के विरुद्ध किसी प्रकार का आपराधिक रिकॉर्ड नहीं होना चाहिए। परिवार में आयु के आधार पर सबसे बड़ी महिला ही इस योजना की पात्र होगी तथा एक परिवार से केवल एक महिला को ही इसका लाभ दिया जाएगा। इसके अलावा लाभार्थी के परिवार की वार्षिक आय ढाई लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। जो महिला पहले से सरकार की किसी पेंशन अथवा अन्य नियमित आर्थिक सहायता योजना का लाभ ले रही है, वह इस योजना के लिए पात्र नहीं होगी। इसी प्रकार जिस परिवार के पास चार पहियों का वाहन होगा, उस परिवार की महिला को भी इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को देश की प्रगति का सबसे प्रभावी माध्यम माना है। उसी सोच को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली सरकार राजधानी की महिलाओं को 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जीने का मजबूत आधार उपलब्ध करा रही है। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि योजना के सभी दिशा-निदेर्शों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि इसका लाभ केवल वास्तविक पात्र लाभार्थियों तक ही पहुंचे। सरकार का लक्ष्य योजना को पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ लागू करना है। इस योजना से दिल्ली के लाखों परिवारों की महिलाओं को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इससे महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ेगी, परिवारों की वित्तीय स्थिरता को मजबूती मिलेगी और समाज में महिला सशक्तीकरण को नई गति प्राप्त होगी।

यमुना में नहाने गए चार किशोर तेज बहाव में डूबे, एक दोस्त की चीख-पुकार के बाद शुरू हुआ सर्च ऑपरेशन

नई दिल्ली । राजधानी में रविवार शाम एक दर्दनाक हादसे ने चार परिवारों की खुशियां छीन लीं। अलीपुर थाना क्षेत्र के हिरनकी गांव के पास यमुना नदी में नहाने गए चार किशोर तेज बहाव की चपेट में आकर लापता हो गए। उनके साथ मौजूद पांचवें किशोर की चीख-पुकार सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग मौके पर पहुंचे और बचाव का प्रयास किया, लेकिन तब तक चारों किशोर नदी की तेज धारा में समा चुके थे। सूचना मिलते ही पुलिस, एनडीआरएफ, डीडीएमए, दमकल विभाग और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और देर रात तक सर्च ऑपरेशन जारी रहा। पुलिस के अनुसार, 12 जुलाई की शाम करीब 7:46 बजे अलीपुर थाने में पीसीआर कॉल के माध्यम से सूचना मिली कि गांव हिरनकी स्थित यमुना नदी के ठोकर नंबर-24 पर कुछ बच्चे डूब गए हैं। सूचना मिलते ही डीडी नंबर-65ए पर एसआई प्रियंका पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। प्रारंभिक जांच में पता चला कि करीब 14 से 15 वर्ष आयु के पांच किशोर यमुना नदी में नहाने के लिए गए थे। नहाते समय चार किशोर अचानक नदी के तेज बहाव में फंस गए और देखते ही देखते लापता हो गए।

उनके साथ मौजूद लकी (14), जो नदी के बाहर था, ने शोर मचाकर मदद मांगी। लकी की आवाज सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण दौड़कर मौके पर पहुंचे और बच्चों को बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक चारों किशोर नदी की तेज धारा में बह चुके थे। इसके बाद पुलिस और बचाव एजेंसियों को सूचना दी गई। लापता किशोरों की पहचान राहुल (15), पुत्र सतीश, निवासी डीसीएम कॉलोनी, इब्राहिमपुर; अंशु (15), पुत्र श्याम बिहारी शाह, निवासी डीसीएम कॉलोनी, इब्राहिमपुर सौरभ (15), पुत्र दीपक, निवासी बस स्टैंड के पास, इब्राहिमपुर; तथा अमनदीप (15), पुत्र महेंद्र सिंह, निवासी ई-ब्लॉक, इब्राहिमपुर के रूप में हुई है।

जन्मदिन पर पति ने दिया मौत का तोहफा, दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल पर पत्नी की हत्या का आरोप

नई दिल्ली, 13 जुलाई (हि.स.)। पूर्वी जिले के विनोद नगर इलाके में सोमवार तड़के दिल्ली पुलिस में तैनात एक कांस्टेबल ने अपनी ही पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना वाले दिन महिला का जन्मदिन था। घटना के बाद आरोपित पुलिसकर्मी मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

पुलिस के अनुसार, सोमवार तड़के करीब तीन बजे लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) अस्पताल के पास एक महिला गंभीर रूप से घायल अवस्था में सड़क किनारे पड़ी मिली। वहां से गुजर रहे एक डिलीवरी बॉय की नजर महिला पर पड़ी। उसने बिना समय गंवाए महिला को तत्काल एलबीएस अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। महिला के शरीर पर गोली लगने के निशान मिले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

मृतका की पहचान प्रियंका के रूप में हुई। वह अशोक विहार स्थित एक निजी स्कूल में शिक्षिका थीं। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर जांच की दिशा बदल गई। फुटेज में प्रियंका का पति मनीष भाटी संदिग्ध परिस्थितियों में घटनास्थल के आसपास दिखाई दिया। शुरूआती जांच के आधार पर पुलिस का कहना है कि वारदात के बाद आरोपित पैदल ही न्यू विनोद नगर स्थित अपने घर पहुंचा और वहां से फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक आरोपित मनीष भाटी दिल्ली पुलिस की एटीएस यूनिट में कांस्टेबल के पद पर तैनात है। उसकी तलाश के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। दिल्ली के अलावा आसपास के राज्यों में भी उसकी संभावित मौजूदगी को लेकर पुलिस सतर्क है। उसके मोबाइल फोन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर लोकेशन ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है। जांच में सामने आया है कि प्रियंका की शादी वर्ष 2023 में नोएडा निवासी परिवार से संबंध रखने वाले मनीष भाटी के साथ हुई थी। शादी के शुरूआती कुछ समय बाद ही दोनों के बीच विवाद शुरू हो गए थे। प्रियंका के परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही उसे दहेज के लिए लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था।

मृतका के पिता अजीत सिंह ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी बेटी ने कई बार ससुराल में हो रही प्रताड़ना की जानकारी उन्हें दी थी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पहले महिला प्रकोष्ठ (वूमेन सेल) में शिकायत भी दर्ज कराई गई थी। बाद में दोनों परिवारों के बीच समझौता हो गया था और यह उम्मीद की गई थी कि अब बेटी का वैवाहिक जीवन सामान्य हो जाएगा। लेकिन आरोप है कि प्रताड़ना का सिलसिला नहीं रुका।

अजीत सिंह का आरोप है कि आरोपित मनीष भाटी लगातार 50 लाख रुपये की मांग कर रहा था। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि इस पूरे मामले में आरोपी की मां और बड़े भाई की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उनका कहना है कि बेटी लंबे समय से मानसिक दबाव में थी और दहेज की मांग को लेकर अक्सर परेशान रहती थी। वारदात की सूचना मिलते ही प्रियंका के परिवार में कोहराम मच गया। जन्मदिन पर बेटी की मौत की खबर सुनकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के साथ फोरेंसिक जांच, घटनास्थल से मिले साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और परिवार के बयानों के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ाई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है और फरार आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कौमी संवादिता की बुनियाद है परस्पर प्रेम, संवाद और विश्वास : प्रभाष प्रसंग 2026 में मंथन

नई दिल्ली, 12 जुलाई (सुभाष गौतम/दिव्य भारत)। गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, राजघाट में आयोजित 'प्रभाष प्रसंग 2026' के स्मारक व्याख्यान में कौमी संवादिता, गांधीवादी चिंतन, हिंदी पत्रकारिता और सामाजिक समरसता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर विमर्श हुआ। कार्यक्रम में केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, प्रख्यात गांधीवादी चिंतक एवं गुजरात विद्यापीठ के पूर्व कुलपति डॉ. सुदर्शन अयंगर, वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय तथा बनवारी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तित्व उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रख्यात शास्त्रीय गायिका सुश्री कलापिनी कोमकली की भावपूर्ण प्रस्तुति से हुआ। उन्होंने कबीर के भजनों सुनता है गुरु ज्ञानी, अवधूत गगन घटा घहरानी और बीत गए दिन भजन बिना रे की प्रस्तुति से पूरे सभागार को भक्तिमय वातावरण में डुबो दिया।

कौमी संवादिता की मधुशाला विषय पर स्मारक व्याख्यान देते हुए डॉ. सुदर्शन अयंगर ने कहा कि समाज में स्थायी शांति और सौहार्द केवल संवाद, विश्वास और साहस से ही स्थापित हो सकते हैं।

गरुड़ पुराण और ईशावास्य उपनिषद के संदर्भों से अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने कौम की अवधारणा को जोड़ने का माध्यम बनाया था। उन्होंने कहा कि हिंदू और मुस्लिम समाज के बीच मौजूद पूर्वाग्रहों की गांठ को संवाद के माध्यम से ही खोला जा सकता है। गांधी की शांति सेना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता किसी एक समुदाय को कमजोर करने से नहीं, बल्कि सभी को साथ लेकर चलने से संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज में सच बोलने का साहस और मानसिक दृढ़ता विकसित करनी होगी, तभी कौमी संवादिता की सच्ची 'मधुशाला' बन सकेगी।

वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय ने कहा कि यह वर्ष हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होने का है, लेकिन दुर्भाग्य से स्वयं हिंदी मीडिया ने इस ऐतिहासिक अवसर को अपेक्षित महत्व नहीं दिया। उन्होंने कहा कि यदि प्रभाष जोशी आज होते तो हिंदी पत्रकारिता के युगधर्म को लेकर देशव्यापी विमर्श खड़ा करते। उन्होंने प्रभाष जी के उस आग्रह को भी याद किया, जिसमें वे पाठकों से कहते थे जनसत्ता मिल-बांटकर पढ़िए।

मुख्य अतिथि केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि प्रेम समाज को जोड़ने वाली सबसे बड़ी शक्ति है।

उन्होंने कहा कि परस्पर प्रेम से ही मोहब्बत की पाठशाला चलती है। उन्होंने संत मीरा को प्रेम की सर्वोच्च साधिका बताते हुए कहा कि समाज में संवाद और सद्भाव का आधार प्रेम ही है। कबीर के मगहर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वहां हुए विकास कार्यों को स्वयं जाकर देखना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार बनवारी ने की। उन्होंने कहा कि डॉ. सुदर्शन अयंगर ने अत्यंत जटिल और समकालीन विषय को सामने रखा है। गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि समाज की वास्तविक शक्ति समाज के पास ही रहनी चाहिए।

संवाद उन्हीं लोगों के बीच संभव है, जिनके मूल मानवीय मूल्य समान हों। उन्होंने कहा कि गांधी का भारतीय समाज पर अटूट विश्वास था और आज भी उनके विचार उतने ही प्रासंगिक हैं, क्योंकि भारतीय समाज में विविधताओं के बीच सह-अस्तित्व की अद्भुत क्षमता है।

कार्यक्रम की प्रस्तावना जनसत्ता के पूर्व पत्रकार मनोज मिश्रा ने रखी। उन्होंने प्रभाष जोशी न्यास की स्थापना की यात्रा और उसके उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह 17वां प्रभाष प्रसंग है। इस अवसर पर हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर प्रभाष जोशी के लेखों के संकलन पत्रकारिता का युगधर्म तथा स्मारक व्याख्यान पुस्तिका का लोकार्पण भी किया गया।

खाने की डिलीवरी को लेकर विवाद में युवक की हत्या, कुछ ही घंटों में दो आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, 13 जुलाई (हि.स.)। दक्षिणी दिल्ली के अंबेडकर नगर इलाके में खाने की डिलीवरी को लेकर हुए मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। 18 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या के मामले में अंबेडकर नगर थाना पुलिस ने महज कुछ घंटों के भीतर दो आरोपितों को गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा कर दिया। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, 10 जुलाई की रात करीब 9:30 बजे अंबेडकर नगर थाने में पीसीआर कॉल के जरिए एक युवक को चाकू मारने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल कृष्ण रोशन (18) को तत्काल एम्स ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की। घटनास्थल का निरीक्षण किया गया, आसपास के लोगों से पूछताछ की गई और तकनीकी साक्ष्यों के साथ स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई गई। जांच में सामने आया कि वारदात की वजह कोई पुरानी रंजिश नहीं, बल्कि खाने का सामान (फूड डिलीवरी) न पहुंचने को लेकर हुआ मामूली विवाद था। पुलिस के मुताबिक, आरोपितों के मन में इस बात को लेकर पहले से नाराजगी थी कि उन्हें तय सामग्री की डिलीवरी नहीं मिली थी। इसी बात को लेकर उन्होंने कृष्ण रोशन का रास्ता रोककर उससे कहासुनी की। विवाद बढ़ने पर आरोपितों ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए, लेकिन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उनकी तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर पुलिस टीम ने जहांपनाह सिटी फॉरेस्ट में छापेमारी कर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान राहुल उर्फ धोबी और राहुल तोमर उर्फ मोटा के रूप में हुई है। दोनों आरोपित दक्षिणपुरी स्थित सुभाष कैंप के रहने वाले हैं। पूछताछ के दौरान उनकी निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोनों आरोपितों से पूछताछ की जा रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि वारदात में कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं।

त्रुटिरहित और अद्यतन मतदाता सूची ही स्वस्थ लोकतंत्र की आधारशिला : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ, त्रुटिरहित और अद्यतन मतदाता सूची ही स्वस्थ लोकतंत्र की आधारशिला होती है। उन्होंने यह बातें सोमवार को रोहिणी सेक्टर-9 में आयोजित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संबंधी जागरूकता बैठक को संबोधित करते हुए कही। इस बैठक का उद्देश्य मतदाता सूची के अद्यतन की वर्तमान प्रक्रिया के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करना था।

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण एक व्यापक घर-घर सत्यापन अभियान है, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची में मौजूद त्रुटियों को दूर करना, नए पात्र मतदाताओं का पंजीकरण करना तथा पहले से दर्ज विवरणों में आवश्यक संशोधन करना है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ, त्रुटिरहित और अद्यतन मतदाता सूची ही स्वस्थ लोकतंत्र की आधारशिला होती है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे इस विशेष अभियान के दौरान बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के साथ पूर्ण सहयोग करें, ताकि मतदाता सूची से दोहराव वाली प्रविष्टियों को हटाया जा सके और उसकी पूर्ण विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके।

दिल्ली दंगों में निष्पक्ष जांच हमारी प्राथमिकता थी : पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा

नई दिल्ली, 13 जुलाई (हि.स.)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में वर्ष 2020 में हुए दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के बहुचर्चित मामले में अदालत द्वारा पांच दोषियों को सजा सुनाए जाने के बाद दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा ने कहा कि दंगों के समय पुलिस की प्राथमिकता कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ निष्पक्ष, पारदर्शी और साक्ष्य आधारित जांच सुनिश्चित करना थी। उन्होंने कहा कि अदालत के फैसले से जांच टीम की कड़ी मेहनत और पेशेवर कार्यशैली पर न्यायिक मुहर लगी है।

सतीश गोलछा उस समय दिल्ली पुलिस में स्पेशल कमिश्नर ऑफ पुलिस के पद पर तैनात थे और दंगों से जुड़े मामलों की जांच की निगरानी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हिंसा के दौरान पुलिस के सामने कानून-व्यवस्था बहाल रखने के साथ-साथ प्रत्येक मामले की निष्पक्ष जांच करना बड़ी चुनौती थी। इसके बावजूद जांच अधिकारियों ने पूरी निष्ठा और पेशेवर तरीके से काम करते हुए विश्वसनीय साक्ष्य जुटाए और दोषियों को कानून के दायरे में लाने का हरसंभव प्रयास किया।

उन्होंने कहा, दिल्ली दंगों के दौरान हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी कानून-व्यवस्था बनाए रखना और निष्पक्ष, साक्ष्य आधारित जांच सुनिश्चित करना थी। अदालत के फैसले से यह संतोष है कि जांच टीम की मेहनत और पेशेवर कार्यशैली न्यायिक कसौटी पर खरी उतरी है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली पुलिस 2020 के दंगों के दौरान हुए अपराधों में शामिल सभी आरोपियों को कानून की प्रक्रिया के तहत न्याय के कटघरे तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ताहिर हुसैन को बचाने वाले ढोंगी आज सुंदरकांड का पाठ कर रहे : कपिल मिश्रा

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने 2020 में दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत पांच लोगों को दोषी करार होने पर आम आदमी पार्टी (आआपा) और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला किया। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया मंच पर एक वीडियो जारी कर कहा कि ताहिर हुसैन को बचाने की कोशिश करने वाले आज सनातनी बनने का ढोंग कर रहे हैं, सुंदरकांड का पाठ कर रहे हैं। कोर्ट के फैसले से सत्य और कानून की जीत हुई है। कपिल मिश्रा ने कहा कि ताहिर हुसैन 2020 के दिल्ली दंगों का मास्टरमाइंड था, पिछले 6 साल से मैं ये कह रहा हूं कि दिल्ली दंगे एक सुनियोजित साजिश थी। इसमें हिंदुओं का नरसंहार करने की साजिश की गई थी। दिल्ली की सड़कों को बंद करके लोगों को घेर करके मारने की साजिश की गई। उस समय ताहिर हुसैन को आआपा के नेता बचा रहे थे, वह दंगे के समय लगातार आआपा नेता संजय सिंह और उमर खालिद के संपर्क में था। उन्होंने कहा कि दंगों के समय आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या करके उनके शव को नाले में फेंक दिया गया।

भविष्यफल

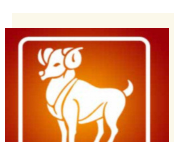

मेष- कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-4-5

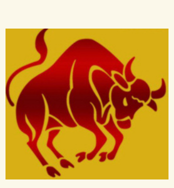

वृष- विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्व पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-2-3-7

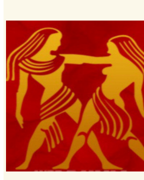

मिथुन- पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-3-5

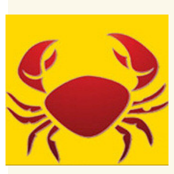

कर्क- अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। आत्मविश्वास बढ़ेगा। शुभांक-3-4-6

सिंह- धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-1-3-4

कन्या- परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। इच्छित कार्य सफल होगें। शुभांक-2-5-7

तुला- पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। पुराने मित्र मिलेगें। शुभांक-3-6-8

वृश्चिक- शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेलजोल से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। शुभांक-3-6-

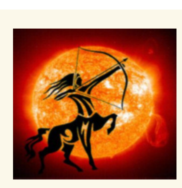

धनु- कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्यों में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

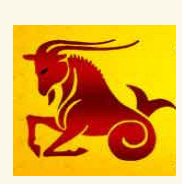

मकर- यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

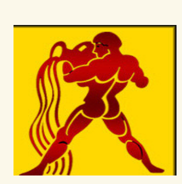

कुंभ- शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-6-7

मीन- मध्याह्व से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-3-5

► ट्रम्प के ऐलान पर ईरान ने जताया कड़ा विरोध, कहा– इस क्षेत्र में अब दखल बर्दाश्त नहीं

डोनाल्ड ट्रम्प बोले- हम हैं होर्मुज के रखवाले, अब हर कार्गो को देना होगा 20 फीसदी टोल टैक्स

● तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी / (एजेंसी)

यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने और उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिका संभालने का दावा किया है। ट्रम्प ने खुद को ज्ञगार्डियन ऑफ द होर्मुज स्ट्रेट बताते हुए कहा कि इस सुरक्षा व्यवस्था का खर्च निकालने के लिए स्ट्रेट से गुजरने वाले कार्गो पर 20 फीसदी टैक्स लगाया जाएगा। ट्रम्प के मुताबिक, ईरान के जहाजों और उसके सहयोगी देशों के जहाजों पर प्रतिबंध जारी रहेंगे, जबकि अन्य देशों के जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की अनुमति होगी। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था पर जल्द काम शुरू किया जाएगा। ट्रम्प के ऐलान पर ईरान ने कड़ा विरोध जताया है। ईरानी सेना के खातम अल-अनबिया मुख्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में किसी भी अमेरिकी हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ईरान का कहना है कि इस समुद्री मार्ग की सुरक्षा और संचालन उसका अधिकार है। ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई के सलाहकार मोहम्मद मोखबर ने भी कहा कि होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान का नियंत्रण जारी रहेगा और इस मुद्दे पर पीछे हटने का सवाल नहीं है।

यूएस ने ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमला किया: यूएस सेंट्रल कमांड ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के सबमरीन बेस व नौसैनिक मरम्मत केंद्र को निशाना बनाकर एयरस्ट्राइक की। हमले में पनडुब्बी से जुड़ी सैन्य क्षमता व नेवल इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचाने का दावा किया गया है। हालांकि, हताहतों और नुकसान की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

ट्रम्प की ईरान को चेतावनी: ट्रम्प ने ईरान को कड़ी सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान ने इंटरिम डील का उल्लंघन किया। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका अब ईरान के खिलाफ सख्त कदम उठाएगा।

ब्रिटेन में ईरानी सेना आतंकी घोषित

ब्रिटेन ने ईरान के सबसे प्रभावशाली सुरक्षा बल इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को राष्ट्रीय सुरक्षा के तहत आतंकी संगठन घोषित करने का फैसला लिया है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद आईआरजीसी का समर्थन करना, उसकी मदद करना या उसके लिए काम करना ब्रिटेन में आपराधिक अपराध माना जाएगा, जिसके लिए 14 साल तक की जेल हो सकती है।

ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने कहा कि सरकार को पर्याप्त सबूत मिले हैं कि आईआरजीसी ऐसी गतिविधियों में शामिल रही है, जो ब्रिटेन की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत यह कार्रवाई की जा रही है। आईआरजीसी पर ब्रिटेन में कई शत्रुतापूर्ण गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। इनमें ईरान इंटरनेशनल टीवी चैनल के दो पत्रकारों को निशाना बनाने की कथित साजिश, साइबर हमले और ईरान समर्थित अन्य गतिविधियां शामिल हैं। ब्रिटेन की गृह मंत्री शबाना महमूद ने कहा कि सरकार विदेशी शक्तियों की ओर से होने वाली खतरनाक गतिविधियों के खिलाफ कड़े कदम उठा रही है। उनका कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर यह फैसला देश की सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए जरूरी है।आईआरजीसी की स्थापना 1979 की ईरानी इस्लामी क्रांति के बाद हुई थी। यह ईरान की सबसे शक्तिशाली सैन्य और सुरक्षा संस्थाओं में से एक है।

यमन के सभी एयरपोर्ट बंद

यमन की राजधानी सना एयरपोर्ट पर हमले के बाद देश के सभी एयरपोर्ट अगले आदेश तक बंद कर दिए गए हैं। यमन सरकार का दावा है कि ईरानी विमान की लैंडिंग रोकने के लिए रनवे को निशाना बनाया गया। हूती समर्थित मीडिया ने सना एयरपोर्ट पर हमले की पुष्टि की है। हूती नेतृत्व ने चेतावनी दी है कि इस कार्रवाई के गंभीर परिणाम होंगे।

सऊदी हमले के बाद बढ़ा तनाव: यमन के सना अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर हुए हमलों के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। हूती समूह ने इसे आक्रामक कार्रवाई बताते हुए जवाब देने की चेतावनी दी है।

यूरोपीय देशों ने की निंदा

जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन ने होर्मुज स्ट्रेट में व्यापारी जहाजों और खाड़ी देशों पर हुए हमलों की निंदा की है। ई-3 समूह ने सभी पक्षों से युद्धविराम और बातचीत की अपील की है। तीनों देशों का कहना है कि संकट का समाधान सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि कूटनीतिक प्रयासों से होना चाहिए।

पोलैंड ने भारत के रुख का समर्थन किया

पोलैंड ने पश्चिम एशिया संकट पर भारत के रुख को सही बताया है। पोलैंड के उप विदेश मंत्री व्लादिस्लाव टेओफिल बार्टोशेव्स्की ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से निर्बाध जहाजों की आवाजाही भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग सभी देशों के लिए खुले रहने चाहिए और किसी तरह का शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, लेकिन विवाद का समाधान बातचीत से होना चाहिए।

बैंकॉक के पब में आग से 30 की मौत, 73 घायल

मची अफरा-तफरी, रेस्क्यू कर बाहर निकाला

● बैंकॉक / (एजेंसी)

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक पब में भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि 73 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 25 घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

आग लगने के बाद पूरे पब में अफरा-तफरी मच गई और राहत-बचाव दलों ने कई लोगों को बाहर निकाला। अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है और जांच में आग शार्ट सर्किट से लगने की बात सामने आई है। हादसे के चश्मदीद ने बताया कि उसने अपनी आंखों के सामने कई लोगों को दम तोड़ते देखा। पब में लगी भीषण आग ने कुछ ही मिनटों में खुशियों के माहौल को मातम में बदल दिया। हादसे के वक्त पब में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। वहां पर लोग म्यूजिक की धुन पर झूम रहे थे कि तभी वहां अचानक आग लग गई। आग फैलते ही वहां भगदड़ मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए बाहर निकलने की कोशिश करने लगे। इस हादसे में मौत का आंकड़ा 22 से पहुंचकर 30 तक जा पहुंचा है, जबकि बहुत से लोग झुलस गए है।

मौत के तांडव के बाद चश्मदीद ने बयां किया दर्द

कैब ड्राइवर सुरिन ने इस हादसे के बाद के मंजर के बारे में न्यूज एजेंसी को बताते हुए कहा कि मैं बहुत उदास महसूस कर रहा हूं। मैंने कई लोगों को मरते देखा और जिन लोगों की मैंने मदद की, उनके बारे में मुझे कुछ नहीं पता कि वे कैसे हैं।आग में फंसे लोगों की शरीर से आग को बुझाने के लिए कपड़े का इस्तेमाल किया गया। पब के फेसबुक पेज पर की गई पोस्ट के मुताबिक, इस लाइव म्यूजिक वेन्यू में एक स्टेज, दो बार और एक किचन है, जिसमें कुल 300 से ज्यादा लोगों के बैठने की जगह है।

झांसी में खाकी वर्दी में 24.90 लाख रुपए की डाली डकैती

3 सिपाहियों ने कारोबारी के मुंशी से की लूट

● झांसी/ (एजेंसी)

यूपी के झांसी में पुलिस ने सोमवार को शहर कोतवाली क्षेत्र में 9 जुलाई की शाम हुई 24.90 लाख रुपये की डकैती का सनसनीखेज खुलासा किया। सूरत के ड्राई फ्रूट कारोबारी जितेंद्र पटेल के मुंशी किशन दिलीप भाई पांचाल ने रविवार, 12 जुलाई को शहर कोतवाली में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि मिर्नवा चौकी से 100 कदम दूर क्रेटा कार सवार लोगों ने उन्हें जबरन बैठा लिया, जिनमें दो खाकी वर्दी पहने हुए थे।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गैंग के मास्टरमाइंड सूर्यांश यादव, जालौन पुलिस लाइन में तैनात आरक्षी राघवेंद्र राजपूत और

आरक्षी मनोज कुमार समेत 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से लूटे गए 24.50 लाख रुपए और घटना में इस्तेमाल पुलिस लिखी क्रेटा कार बरामद की गई है।

क्रेटा कार से अपहरण

योजना के मुताबिक, 9 जुलाई को मुंशी जब स्कूटी से वसूली की रकम लेकर जा रहे थे, तभी वर्दीधारी सिपाहियों ने क्रेटा कार से आकर उनका अपहरण कर लिया और रकम लूट ली।

डकैत जगन गुर्जर हत्याकांड में एसएचओ लाइन हाजिर

भाई को दूसरी जेल भेजने पर सहमति

● धौलपुर / (एजेंसी)

कुख्यात डकैत जगन गुर्जर की अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में हुई हत्या के बाद धौलपुर के बाड़ी क्षेत्र में चल रहा विरोध प्रदर्शन सोमवार देर रात खत्म हो गया। प्रशासन और ग्रामीणों के बीच हुई वार्ता में पांच प्रमुख मांगों पर सहमति बनी। इसके बाद बाड़ी थानाधिकारी (एसएचओ) देवेंद्र शर्मा को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया।

ग्रामीणों की मांग पर जगन गुर्जर के भाई पप्पू गुर्जर को दूसरी जेल में शिफ्ट करने की प्रक्रिया भी शुरू करने पर सहमति बनी है। आधी रात को धौलपुर कलेक्टर श्रीनिधि बीटी और एसपी प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचे और बातचीत कर मामला शांत कराया।

पांच मांगों पर बनी सहमति

वार्ता के बाद प्रशासन ने ग्रामीणों की मांगों पर सहमति जताई। कलेक्टर श्रीनिधि बीटी ने बताया कि जांच पूरी होने तक बाड़ी थानाधिकारी को लाइन हाजिर किया गया है। इसके अलावा सुरक्षा व्यवस्था और जेल शिफ्टिंग की प्रक्रिया पर भी काम किया जा रहा है। सहमति बनने के बाद प्रदर्शनकारी शांतिपूर्वक वापस भभूतिपुरा लौट गए।

जगन गुर्जर की बारहवीं की रस्म के दौरान भभूतिपुरा गांव में बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। ग्रामीणों और गुर्जर समाज के लोगों ने हत्या के 12 दिन बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जताई। दिन में प्रशासनिक अधिकारियों ने समझाने की कोशिश की।

श्रीनगर की आजादी का चूरन मत बांटो

उठी ललकार, पीओके कभी नहीं बन सकेगा पाक प्रांत

● इस्लामाबाद / (एजेंसी)

पीओके में सरकार विरोधी आंदोलन लगातार 35वें दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपने अधिकारों की मांग दोहराई। रविवार को रावलाकोट में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए आंदोलन के नेता जावेद इकबाल ने कहा कि पिछले 78 वर्षों से लोगों को श्रीनगर की आजादी का सपना दिखाया गया, लेकिन अब लोग इस दावे पर भरोसा नहीं करते। उन्होंने आरोप लगाया कि जब लोग आटा, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं मांगते हैं तो उन्हें गोलियों का सामना करना पड़ता है।

सभा में लोगों ने नारे लगाए

पीओके कभी पाकिस्तान का प्रांत नहीं बनेगा। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में बड़ी संख्या में महिलाएं और अन्य स्थानीय लोग महंगाई, बिजली दरों, भारी करों, दमन और मनमानी गिरफ्तारियों के खिलाफ प्रदर्शन करते नजर आए। इस बीच वॉशिंगटन में रहने वाले कश्मीरी समुदाय के लोगों ने भी प्रदर्शन कर पीओके में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों का मुद्दा उठाया। प्रदर्शनकारियों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कश्मीर में सरकारी दमन बंद करो जैसे नारे लगाए।

फरीदकोट में घर में घुसकर महिला की हत्या

फरीदकोट, आरएनएन। पंजाब के फरीदकोट में सोमवार को घर में घुसकर एक महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। घटना का खुलासा तब हुआ, जब उसका पति स्कूल से ड्यूटी के बाद घर लौटा और दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला।

पति के लौटने पर खुलासा

मृतका की पहचान नीतू कालड़ा (43) के रूप में हुई है। वह शहर के मोहल्ला जानियां में रहती थीं। उनके पति प्रदीप कालड़ा सरकारी शिक्षक हैं। नीतू दिव्यांग थीं। प्रदीप कालड़ा ने बताया कि सोमवार दोपहर सवा 2 बजे वह स्कूल से घर पहुंचे। कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो अपनी भाभी को पड़ोस से बुलाया। भाभी जब घर के अंदर गईं तो उन्हें खून के निशान दिखाई दिए।

दक्षिण चीन सागर विवाद पर चीन भड़का, जापानी राजनयिक तलब

● बीजिंग / (हि.स.)।

दक्षिण चीन सागर पर 2016 के अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता फैसले की 10वीं वर्षगांठ पर 14 देशों के संयुक्त बयान के बाद चीन ने कड़ी आपत्ति जताई है। बीजिंग ने जापानी दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी को तलब कर औपचारिक विरोध दर्ज कराया और कहा कि दक्षिण चीन सागर पर उसकी संप्रभुता का दावा कायम है।

यूएस, जापान, ऑस्ट्रेलिया, यूके, फिलीपींस, कनाडा, जर्मनी, इटली और न्यूजीलैंड समेत 14 देशों ने बयान जारी कर

चीन ने जताई कड़ी आपत्ति

कहा कि हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायाधिकरण का 2016 का फैसला अंतिम और कानूनी रूप से बाध्यकारी है। बयान में चीन के 'नाइन-डैश लाइन' दावे को संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून के तहत अमान्य बताया।

जम्मू: 7,700 से अधिक अमरनाथ तीर्थयात्रियों का नया जत्था रवाना

● जम्मू / (एजेंसी)

अमरनाथ यात्रा के 7,700 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था सोमवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास आधार शिविर से रवाना हुआ। सूत्रों के मुताबिक सुबह 7,724 तीर्थयात्री 303 गाड़ियों के काफिले में जम्मू आधार शिविर से रवाना हुए। इस जत्थे में बालटाल के लिए 2,896 और पहलगाम के लिए 4,828 तीर्थयात्री शामिल थे। यात्रा को सुरक्षित और सुचारू रूप से संपन्न कराने प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बलों

और अमरनाथ धार्मिक न्यास बोर्ड के आपसी तालमेल से बनी सुरक्षा व्यवस्था के तहत वे तीर्थयात्रा के लिए रवाना हुए। गौरतलब है कि यात्रा शुरू होने के बाद से 8 दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों से लगभग 2.50 लाख तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर के दर्शन किये हैं।

वियतनाम नाव हादसा :15 भारतीयों के शव मुंबई पहुंचे, गृह राज्यों में भेजेंगे

● मुंबई / (हि.स.)

वियतनाम के फू क्वोक द्वीप पर हुए दर्दनाक नाव हादसे में जान गंवाने वाले 15 भारतीयों के पार्थिव शरीर लेकर हो ची मिन्ह सिटी से आई फ्लाइट मुंबई एयरपोर्ट पहुंच गई है। मुंबई एयरपोर्ट पर आंध्र प्रदेश पुलिस की टीम मौजूद है।

यहां से आंध्र प्रदेश के तीन मृतकों के पार्थिव शरीर मंगलवार सुबह एयर इंडिया की फ्लाइट से हैदराबाद भेजे जाएंगे। वहीं, केरल के दो लोगों के शव भी दूसरी उड़ान से तिरुवनंतपुरम ले जाए जाएंगे। आंध्र प्रदेश के तीन लोगों के पार्थिव शरीर सुबह 5:45 बजे मुंबई से हैदराबाद जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट से भेजे जाएंगे। इसके बाद उन्हें उनके गृह राज्य आंध्र प्रदेश ले जाया जाएगा। जबकि, केरल के कोट्टारक्कारा निवासी ए.सी. थॉमस और उनकी पत्नी लोवेनी थॉमस के पार्थिव शरीर एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-2605 से तिरुवनंतपुरम भेजे जाएंगे।

11 जुलाई को हुआ था दर्दनाक हादसा

हादसा 11 जुलाई को वियतनाम के मशहूर पर्यटन स्थल फू क्वोक द्वीप के पास हुआ था। उस समय 32 भारतीय पर्यटक और चालक दल के चार सदस्य एक स्पीडबोट में सवार थे। नाव मेरूट द्वीप से एन थोई पोर्ट लौट रही थी, तभी अचानक मौसम खराब हो गया। ऊंची लहरों से स्पीडबोट पूरी तरह असंतुलित हुई और समुद्र में पलट गई।

यादें शेष... सैम नील ने 78 साल की उम्र में ली अंतिम सांस, ब्लड कैंसर को दे चुके थे मात, मौत का कारण स्पष्ट नहीं

नहीं रहे मशहूर हॉलीवुड फिल्म जुरासिक पार्क के डॉ. एलन ग्रांट

● मुम्बई/ (एजेंसी)

मशहूर हॉलीवुड फिल्म 'जुरासिक पार्क' और ऑस्कर विजेता फिल्म 'द पियानो' एक्टर सैम नील (78) का सोमवार को निधन हो गया है। उनके परिवार ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में इस दुखद खबर की पुष्टि की। परिवार के बयान के अनुसार, सैम नील का निधन अचानक हुआ।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सैम कैंसर से पूरी तरह ठीक हो चुके थे। साल 2023 में उन्होंने खुद बताया था कि उन्हें एंजियोइम्यूनोब्लास्टिक टी-सेल लिम्फोमा नाम का एक दुर्लभ ब्लड कैंसर हुआ था। इलाज के बाद उनकी बीमारी ठीक हो गई थी। फिलहाल परिवार ने उनके निधन की वजह नहीं बताई है। सैम नील को उनकी दमदार और सहज एक्टिंग के लिए जाना जाता था। उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया, लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा लोकप्रियता जुरासिक पार्क में डॉ. एलन ग्रांट के किरदार से मिली।

सैम नील न्यूजीलैंड के सबसे मशहूर अभिनेताओं में से एक थे। उनका पूरा नाम नाइजल जॉन डर्मोट सैम नील था। उनका जन्म 14 सितंबर 1947 को उत्तरी आयरलैंड के ओमाघ में हुआ था। जब वे छोटे थे, तब उनका परिवार न्यूजीलैंड जाकर बसा, जहां उनकी परवरिश हुई।सैम नील ने 1970 के दशक में अभिनय की शुरुआत की। उन्हें पहली बड़ी पहचान 1977 की फिल्म स्लीपिंग डॉग्स से मिली। इसके बाद 1979 की माय ब्रिलियंट करियर ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। 1980 और 1990 के दशक में उन्होंने हॉलीवुड में अपनी अलग जगह बनाई। सैम नील उन कलाकारों में शामिल थे, जिन्होंने 1970 के दशक के आखिर में ऑस्ट्रेलियाई सिनेमा को दुनिया भर में नई पहचान दिलाई। उनका फिल्मी करियर 50 साल से ज्यादा लंबा रहा और उन्होंने अपनी शानदार अदाकारी से करोड़ों लोगों का दिल जीता। 1980 के दशक में उनकी मुलाकात एक्ट्रेस लीसा हारो से हुई। दोनों कुछ समय तक साथ रहे और उनका एक बेटा हुआ। 1989 में सैम नील ने मेकअप आर्टिस्ट नोरिको वातानाबी से शादी की। इस शादी से उनकी एक बेटी हुई।

जुरासिक पार्क से सुपरस्टार

1993 में रिलीज हुई जुरासिक पार्क, सैम नील के करियर की सबसे बड़ी फिल्म साबित हुई। इसमें उन्होंने डॉ. एलन ग्रांट नाम के पेलियोन्टोलॉजिस्ट (डायनासोर विशेषज्ञ) का किरदार निभाया। यह रोल इतना लोकप्रिय हुआ कि उन्होंने बाद में जुरासिक पार्क 3 (2001) और जुरासिक वर्ल्ड डोमिनियन (2022) में भी इसी किरदार को निभाया।

इन फिल्मों से भी मिली पहचान

जुरासिक पार्क के अलावा सैम को द पियानो (1993) (ऑस्कर विजेता), द हंट फॉर रेड अक्टूबर (1990), डेड काम (1989), द ओमेन 3: द फाइनल कॉन्फ्लिक्ट (1981), पजेशन (1981), इवेंट होरिजोन (1997) इन फिल्मों से पहचान मिली। उन्होंने फिल्मों के अलावा पीकी ब्लाइंडर्स, द ट्यूडर्स, मर्लिन और इन्वेशन जैसी टीवी सीरीज में भी दमदार अभिनय किया।

महेश मांजरेकर की पत्नी मेघा कैंसर की बीमारी का शिकार

मुश्किल दौर में कहा– इलाज के दौरान खत्म हो गई थी भूख, परिवार और दोस्तों ने दिया साथ

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

मराठी अभिनेत्री और फिल्ममेकर महेश मांजरेकर की पत्नी मेधा मांजरेकर ने अपनी कैंसर की बीमारी का खुलासा किया है। मेधा (58) ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि उनका इलाज चल रहा है। मेधा ने बताया कि इस मुश्किल दौर में उनके पति महेश मांजरेकर, परिवार और दोस्तों ने उनका हर कदम पर साथ दिया।

उन्होंने इलाज के दौरान हुए शारीरिक और मानसिक बदलावों के बारे में भी खुलकर बात की। मेधा ने बताया कि इलाज के दौरान एक समय ऐसा आया जब उनकी भूख पूरी तरह खत्म हो गई थी। उस दौर में उनकी बहन,

भाभी और दोस्तों ने उनका खास ख्याल रखा। वे उनके लिए पसंद का खाना जैसे ढोकला, इडली, गुलपापड़ी और पानी-पूरी लेकर आते थे। उन्होंने बताया कि एक दोस्त की सलाह पर उन्होंने क्रैनबेरी जूस को शैंपेन ग्लास में पीना शुरू किया। इस छोटे से बदलाव ने उनके नजरिए को सकारात्मक बनाया और मुश्किल समय में उन्हें हिम्मत दी।

संपादकीय

अरुणाचल प्रदेश के नाह आदिवासियों की जमीन पर चीन का कब्जा

सीमावर्ती इलाकों में चीन लगातार निर्माण कार्य कर रहा है। पहले भी यह दावा किया जा चुका है कि उसने छोटे-छोटे गांव बसाकर उन्हें अपने सैनिकों के ठिकानों में बदल दिया है। जहां हमारे पूर्वज रहते थे, वह जमीन अब हमारे पास नहीं रही। हम सदियों से इस इलाके में रहते आए हैं। जहां हम बिना किसी रोक-टोक के अपने मवेशी चराने जाते थे, वहां अब जाने से पहले दो बार सोचना पड़ता है। जंगलों से हम अपनी जरूरत की चीजें लाते थे, लेकिन अब वहां नहीं जा सकते। जिन जंगलों में हमारे कबीले की महिलाएं खाना बनाने के लिए ईंधन लेने जाती थीं, वहां भी अब उनका जाना संभव नहीं है। हमारी इस जमीन पर चीनियों ने कब्जा कर लिया है। ऐसी शिकायत अरुणाचल प्रदेश की नाह जनजाति ने भारत सरकार से की है। नाह जनजाति ने सनसनीखेज दावा किया है कि चीन ने पांच स्थानों पर कब्जा कर लिया है। ये सभी स्थान उनके गांवों और पशु चराने के क्षेत्र हैं। ये इलाके अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले के ताक्सिंग क्षेत्र में स्थित हैं और राजस्व सर्किल के अंतर्गत आते हैं। नाह वेलफेयर सोसायटी ने एक ज्ञापन देकर कहा कि यह पूरा क्षेत्र उनके पूर्वजों की भूमि है, लेकिन अब चीन के कब्जे के कारण उनका वहां आना-जाना कठिन हो गया है। इनमें से कई इलाके दुर्गम जंगल हैं। वे जंगलों की उपज से अपना जीवन-यापन करते थे, लेकिन अब चीनी सेना रोज थोड़ा-थोड़ा क्षेत्र अपने कब्जे में लेती जा रही है, इसलिए उन्हें वहां जाने नहीं दिया जाता। अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी के डिप्टी कमिश्नर को नाह वेलफेयर सोसायटी द्वारा ज्ञापन सौंपे जाने के बाद एक बार फिर चीन के बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर की चर्चा तेज हो गई है। संगठन के अध्यक्ष केरू चादेर ने अपने ज्ञापन में कहा कि पिछले 10-15 वर्षों से चीन ने पहाड़ी क्षेत्रों में अपनी गतिविधियां बढ़ाई थीं, लेकिन 2020 के बाद उसने तेज गति से पूरे इलाके पर कब्जा करना शुरू कर दिया। ज्ञापन में यह भी दावा किया गया कि चीनी सेना ने भारतीय सीमा के भीतर सड़कें बना दी हैं।इस ज्ञापन के बाद किरण रिजिजू ने कहा कि ये रिपोर्टें भ्रामक हैं और भारतीय सीमा में ऐसी कोई घुसपैठ नहीं हुई है। उन्होंने नाह जनजाति के दावों पर सीधे टिप्पणी नहीं की, लेकिन इतना कहा कि सीमा पूरी तरह निर्धारित न होने के कारण दोनों पक्षों द्वारा सीमा का उल्लंघन होता रहता है। भारतीय सेना ने भी इन दावों का खंडन किया, लेकिन स्थानीय लोग वर्षों से ऐसे आरोप लगाते रहे हैं। इससे पहले लद्दाख में भी स्थानीय लोगों ने दावा किया था कि चीन ने भारतीय सीमा के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर लिया है, जबकि सरकार ने इन दावों को नकार दिया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी समय-समय पर ऐसे आरोप लगाते रहे हैं और केंद्र सरकार उनका खंडन करती रही है। डोकलाम विवाद के बाद भी कई रिपोर्टों में यह दावा किया गया कि कुछ क्षेत्रों में चीन की घुसपैठ स्थायी रूप ले चुकी है। करीब एक-दो वर्ष पहले चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने अरुणाचल प्रदेश की सीमा के पास लगभग 100 गांव बसाने के संबंध में कहा था कि यह पूरी तरह स्वाभाविक प्रक्रिया है, क्योंकि वे अपने ही क्षेत्र में निर्माण कार्य कर रहे हैं। उनका कहना था कि तिब्बत का झेंगनान क्षेत्र चीन का हिस्सा है और वहां वे अपनी इच्छा के अनुसार निर्माण कर सकते हैं। चीन लगातार यह दावा करता रहा है कि अरुणाचल प्रदेश तिब्बत के दक्षिणी हिस्से का भाग है। इतना ही नहीं, वह अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख को अपना क्षेत्र दिखाते हुए राजनीतिक नक्शे भी जारी कर चुका है। इन दावों और प्रतिदावों के बीच इतना तो स्पष्ट है कि चीन की सीमावर्ती गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। वह ऐसे कई कदम उठा रहा है जिनका सीधा प्रभाव भारत पर पड़ सकता है।

उत्तर प्रदेश, चुनाव और हिंदुत्व

मृत्युंजय दीक्षित

अयोध्या में श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद की आड़ में सभी रामद्रोही, श्रीराम को काल्पनिक मानने वाले, रामभक्तों पर गोलियां चलवाने वाले, श्रीराम जन्मभूमि पर अस्पताल और शौचालय बनवाने की बात करने वाले रामभक्त होने का स्वांग रच रहे हैं और सोच रहे हैं कि ऐसा करके वो 2027 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मात दे देंगे। समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव, ज्योतिषपीठाधीश्वर तथाकथित शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से आशीर्वाद लेकर गो संरक्षण, सनातन परंपराओं, सामाजिक सरोकारों व समसामयिक राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा कर रहे हैं। सरस्वती से मिलने के बाद सपा मुखिया आक्रामक हैं और कहते हैं कि जो लोग भाजपा के साथ हैं वह रामघाती हैं। सपा मुखिया अपने ही जाल में फंसते दिख रहे हैं।

अखिलेश इस बार अपने आपको सनातनी दिखाने के लिए पत्नी सहित बड़े मंगल भंडारों में गए और हनुमान चालीसा का पाठ करते दिखाई दिए। यह उनके लिए दो नावों की सवारी जैसा है क्योंकि मुस्लिम तुष्टिकरण अभी भी उनकी प्रमुख रणनीति है। सपा मुखिया श्रीकृष्ण जन्मभूमि के प्रति मौन हो जाते हैं, क्योंकि इससे मुस्लिम वोट बैंक छिटकने का डर है। उनका सनातन प्रेम हिंदू समाज को बांटने की राजनीति ही है और इससे उनको अपना राजनीतिक स्वार्थ सिद्ध करना है। सपा मुखिया अखिलेश यादव और उनके पिता मुलायम सिंह यादव ने हिंदुओं की आस्था के साथ इतने अधिक घृणित पाप किए हैं कि वह तथाकथित शंकराचार्य के चरणों में बैठकर भी नहीं धुलेंगे। अभी चुनाव रैलियां शुरू होने में समय है इसलिए अखिलेश यादव राम मंदिर में चढ़ावा कांड से लेकर बद्रीनाथ धाम और मां बगलामुखी मंदिर से प्राप्त समाचारों को हवा देकर भाजपा को दबाव मे लेना चाहते हैं। उधर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी तीखे तेवर अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि सनातन और हिंदुत्व की पिच उनकी अपनी है और यहां कोई उनको दबाव में नहीं ले सकता। योगी कहते हैं कि सपा ने हनुमानगढ़ी में हनुमान चालीसा पढ़वाने का पाप किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सनातन और हिंदुत्व को लेकर अत्यंत आक्रामक हैं। वो अखिलेश और सपा के पापों का पिटारा खोलकर हिंदू समाज को सावधान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या की जनसभा में कहा कि समाज के प्रत्येक तबके ने श्री रामजन्मभूमि की मुक्ति के लिए आंदोलन और संघर्ष किया जबकि सपा और कांग्रेस के लोगों ने मंदिर निर्माण में बाधाएं खड़ी कीं। जो लोग आज आस्था की बात करते हैं याद करिए इन लोगों ने हमारे पवित्र हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़वाने का काम किया था। आप कल्पना कीजिए कि क्या कोई जामा मस्जिद में हनुमान चालीसा का पाठ कर पाएगा। क्या इनकी सरकारें करवा पाएंगी ?अगर नहीं तो अयोध्या में हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़वाने का पाप क्यों करवाया ? योगी ने जनमानस को याद दिलाया कि लंबे समय तक अयोध्या अविकसित रही। पिछड़ी रही। सड़क, बिजली, पानी के लिए तरसती रही। अयोध्या आने वाले श्रद्धालु मां सरयू का आशीर्वाद नहीं ले पाते थे। अयोध्या की जनसभा में उन्होंने नगर पंचायत खिरौनी का नामकरण मां ज्वाला जी के नाम से जबकि भदरसा को भरत नगर करने की घोषणा की। अयोध्या से योगी ने सपा व अन्य कालनेमियों को स्पष्ट संदेश दिया है कि अब उन्हें, उन्हीं की भाषा में उत्तर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री का मानना है कि सपा व कांग्रेस को हिंदुओं की कोई चिंता नहीं है। ये पहला हक मुस्लिमों को देना चाहती हैं। दरअसल चढ़ावा विवाद के बाद सपा व कांग्रेस सहित इंडी गठबंधन के दल इसमें अपने लिए अवसर खोज रहे हैं जबकि उनके पूर्व कर्म इतने हिंदू द्रोही रहे हैं कि वह अपने ही जाल में फंस जाते हैं। जब उत्तर प्रदेश सहित भाजपा शासित अन्य राज्य सरकारें गोवध व तस्करी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना चाहती हैं। इस पर यह लोग हल्ला मचाने लगते हैं। कोर्ट चले जाते हैं। वहीं आजकल स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ मिलकर ये गौ माता की सुरक्षा व संरक्षा के प्रति चिंता जता रहे हैं। गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग कर रहे हैं। विडंबना यह है की इन्हीं शंकराचार्य ने यूपी में बूचड़खानों के बंद होने का विरोध किया था। यदि शंकराचार्य व सपाइयों को गौ माता की वास्तविक चिंता है तो वह अपनी यात्रा दक्षिण भारत में क्यों नहीं निकालते, जहां सबसे अधिक गोवध हो रहा है। भाजपा सरकार आने से पहले जब बंगाल से गोवध की वीभत्स तस्वीरें आ रही थी तब यह शंकराचार्य और सपाई क्यों नहीं बोले थे ? शंकराचार्य को यदि गौ संरक्षण करना है तो उन्हें पंजाब और झारखंड में भी अपनी यात्रा निकालनी चाहिए और बूचड़खानों की बंदी का स्वागत करना चाहिए।

वक्फ बोर्ड के मुद्दे पर योगी कहते हैं कि सनातन आस्था पर प्रहार कर रहे इन दोनों दलों की खामोशी से गिरगिट भी शर्मशार हो जाएगा। वक्फ के नाम पर प्रदेश में हजारों हेक्टेयर जमीन बेची गई। वह सवाल करते हैं कि क्या उस पर सपा और कांग्रेस एक बार भी बोली? अभी जो सपा व कांग्रेस के लोग स्वयं को सनातनी साबित करने की होड़ मचाए हुए हैं, क्या यह लोग आगामी दिनों में कांवड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा करेंगे? विकृत मानसिकता वाले तथाकथित सेक्युलर दल कभी सनातनी बन जाते हैं कभी अच्छे हिंदू और बुरे हिंदू का विचार लेकर आ जाते हैं। वो कहते हैं कि जब अहमदाबाद उच्च न्यायालय ने 38 आतंकियों को फांसी की सजा सुनाई तब सपा ,कांग्रेस व ओवैसी को वह फैसला रास नहीं आया।

मोदी के 12 साल: संकल्पबद्ध समृद्धिशाली भारत का निर्माण

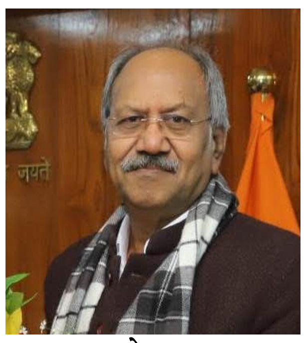

बृजमोहन अग्रवाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 12 साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के स्वर्णिम अध्याय की एक सुनहरी दास्तान है। विश्वास, विकास और जनकल्याण की यह एक नई गाथा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज विकास, आत्मनिर्भरता, वैश्विक सम्मान और गरीब कल्याण का पर्याय बन चुके हैं। वे नए भारत, आत्मनिर्भरता और आत्म संबल का नया अध्याय हैं। पिछले 12 सालों में उनकी सरकार की योजनाएं कागज से निकलकर जनता के जीवन तक सीधे सीधे पहुंचीं हैं।

देश के सभी राज्यों में विकास की नई नई इबारतों के साथ छत्तीसगढ़ में रेलवे पर 50 हजार करोड़ और सड़कों पर 70 हजार करोड़ के कार्य अभी जारी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व तले देश ने विश्वास, विकास और जनकल्याण की अभूतपूर्व यात्रा की है। यह कालखंड केवल मोदी सरकार के कार्यकाल का नहीं, बल्कि नए भारत के निर्माण, गरीबों के सशक्तिकरण,किसानों के सम्मान, महिलाओं के उत्थान और देश के गौरव को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने का स्वर्णिम अध्याय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बने हैं। 10 जून को उनके नेतृत्व के 12 साल पूरे हुए हैं। इस दौरान देश में सुशासन, पारदर्शिता और सेवा भाव पर आधारित शासन व्यवस्था स्थापित हुई है, जिसके कारण जनता का विश्वास लगातार बढ़ा है। मोदी सरकार ने पहली बार योजनाओं को जाति, वर्ग और वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठाकर महिलाओं, युवाओं, किसानों और गरीबों के कल्याण पर केंद्रित किया। योजनाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उनका लाभ सीधे लोगों तक पहुंचा है। यही कारण है कि आज देश का प्रत्येक नागरिक सरकार की योजनाओं को अपने जीवन में महसूस कर रहा है। मोदी सरकार की सबसे बड़ी ताकत जनता का अटूट विश्वास है। वर्ष 2014 में जब प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यभार संभाला था तब देश के केवल 7 राज्यों में भाजपा-एनडीए की सरकारें थीं, जबकि आज 22 राज्यों में भाजपा या एनडीए की सरकारें हैं। यह जनता के भरोसे और सरकार की जनसेवा का ही सबसे सार्थक प्रमाण है।

वर्तमान में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 11 करोड़ से अधिक किसानों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है तथा अब तक 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि सीधे किसानों के खातों में पहुंचाई जा चुकी है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) व्यवस्था के माध्यम से भ्रष्टाचार और बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है तथा लाखों करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचे हैं।

इसी प्रभावी व्यवस्था के कारण देश के लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकलने में सफल हुए हैं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अथाह मेहनत का ही सुफल परिणाम है। आज का भारत आतंकवाद और दुश्मनों के सामने झुकने वाला नहीं, बल्कि सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के माध्यम से मुंहतोड़ जवाब देने वाला नया भारत है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की सुरक्षा और सम्मान दोनों लगातार मजबूत हुए हैं। जनधन योजना के माध्यम से 58 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए, जिनमें 32 करोड़ से अधिक खाते महिलाओं के हैं। इससे आर्थिक समावेशन को नई गति मिली है। स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए बदलाव भी काफी महत्वपूर्ण और अहम हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत 60 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की गई है। अब 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को भी निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

आवास, स्वच्छता और महिला सशक्तिकरण मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धि है। तभी तो देशभर में 4 करोड़ से अधिक प्रधानमंत्री आवास बनाए गए, 11 करोड़ महिलाओं को उज्ज्वला गैस कनेक्शन दिए गए तथा 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कर स्वच्छ भारत अभियान को जन आंदोलन बनाया गया।

जल जीवन मिशन में 16 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने का कार्य किया गया है, जिससे ग्रामीण जीवन और स्वास्थ्य दोनों में व्यापक सुधार आया है। पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से लाखों रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों को सहायता मिली है, जबकि मुद्रा योजना के तहत करोड़ों लोगों को स्वरोजगार के लिए ऋण उपलब्ध कराया गया है। पीएम विश्वकर्मा योजना से पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को नई ताकत मिली है। जनजातीय समाज के उत्थान के लिए भी मोदी सरकार के प्रयास सराहनीय हैं।

देश में पहली बार विशेष रूप से जनजातीय समुदायों, विशेषकर अत्यंत पिछड़ी जनजातियों के विकास के लिए हजारों करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अब दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं तेजी से पहुंच रही हैं। मोदी के बहुआयामी नेतृत्व में

देश में सड़क, रेल, हवाई और डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। जहां पहले प्रतिदिन लगभग 11 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग बनते थे, वहीं आज यह गति 34 किलोमीटर प्रतिदिन तक पहुंच गई है। रेलवे के आधुनिकीकरण, विद्युतीकरण और अमृत भारत स्टेशन योजना के माध्यम से देशभर के रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। मोदी सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में विकास कार्य बेहद जनकल्याणकारी सिद्ध हो रहे हैं। पहले रेलवे के लिए वार्षिक बजट कुछ सौ करोड़ रुपये तक सीमित रहता था, वहीं आज छत्तीसगढ़ में ही लगभग 50 हजार करोड़ रुपये के रेलवे प्रोजेक्ट्स पर कार्य चल रहा है और प्रतिवर्ष लगभग 7 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

इसके अलावा छत्तीसगढ़ में लगभग 70 हजार करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाएं संचालित हैं। रायपुर-विशाखापट्टनम और रायपुर-धनबाद आर्थिक गलियारों जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं राज्य के विकास को नई गति देंगी। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 24 लाख से अधिक आवासों का निर्माण हुआ है।

विष्णुदेव साय सरकार के गठन के बाद 18 लाख नए आवासों की स्वीकृति दी गई है, जो राज्य के इतिहास में सबसे बड़ा आवास अभियान है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत जनजातीय क्षेत्रों में 2902 किलोमीटर सड़कों के निर्माण सहित लगभग 2700 करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 32 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ही कद्दावर नेतृत्व की वजह से आज हमारा छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त हो गया है।

कोरोना महामारी के दौरान भारत ने दुनिया को अपनी क्षमता दिखाई। देश ने न केवल अपने नागरिकों को सुरक्षा प्रदान की बल्कि वैक्सीन मैत्री अभियान के माध्यम से अनेक देशों की भी सहायता की। आज देश की प्राचीन पुरातन योग प्रणाली को विश्व के 177 से अधिक देशों ने स्वीकार किया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की अनुकरणीय पहल से ही यह सम्भव हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विभिन्न देशों द्वारा प्रदान किए गए सर्वोच्च सम्मान भारत की 140 करोड़ जनता के सम्मान का प्रतीक हैं। अब मोदी केवल एक व्यक्ति का नाम नहीं, बल्कि विश्वास, विकास, निर्णायक नेतृत्व, आत्मनिर्भर भारत, वैश्विक सम्मान, गरीब कल्याण और नए भारत के संकल्प के प्रतीक हैं। आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर आगे बढ़ रहा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अपनी कार्यशैली से भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में अग्रसर किया है।

पिछले 12 सालों में मोदी जी ने जितने जनकल्याणकारी कार्य किए हैं, उतने कॉंग्रेस के पिछले 68 वर्षों के कार्यकाल में नहीं हुए। आज भारत की पहचान वैश्विक पटल पर सम्मान के साथ लगातार बढ़ती जा रही है, जो कि मोदी जी के नेतृत्व का ही सुनहरा परिणाम है। देश में 500 सालों बाद राम मंदिर का निर्माण हो या कश्मीर से अनुच्छेद 370 का खात्मा, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रहित में ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सुशासन के ऐतिहासिक 4399 दिनों (मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में 25 वर्षों) के सफल कार्यकाल में अंत्योदय देश में हर जगह साकार हुआ है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का सपना था कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े, सबसे गरीब व्यक्ति के जीवन में खुशहाली आए और उनके घर में उन्नति का दीया जले। इस संकल्प को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने धरातल पर उतारा है। और इस तरह ही अंत्योदय देश की ग्रामीण व्यवस्था में देखने को मिला है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के 4 करोड़ से अधिक गरीबों को पक्की छत प्रदान की गई है। पहले इसमें जहां मामूली राशि मिलती थी, वहीं आज पारदर्शिता के साथ 1.5 लाख से 2.5 लाख रुपये तक की सहायता दी जा रही है, जिससे गरीबों के पक्के मकान का सपना साकार हो रहा है।

गांव की महिलाओं और परिवारों के सपनों को पूरा करते हुए जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर में शुद्ध पेयजल और स्वच्छता के लिए घरों में शौचालय बनाने का ऐतिहासिक कार्य किया गया है। गरीब परिवारों के लिए आयुष्मान भारत योजना एक वरदान सिद्ध हुई है। गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, हार्ट ऑपरेशन, किडनी/लिवर की बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज प्रदान कर मोदी जी ने गरीबों को आर्थिक तंगी से बड़ी राहत दी है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत गांव-गांव को पक्की सड़कों से जोड़ा गया है और हर घर तक बिजली पहुंचाई गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में गांव, गरीब, किसान और नौजवानों के उत्थान की जो बयार बह रही है, वह वास्तव में अंतिम व्यक्ति के उत्थान (अंत्योदय) का ही प्रमाण है। और असली भारत देश के गांव में बसने वाले उसी अंतिम व्यक्ति के प्राणों में बसता है। (लेखक, रायपुर से सांसद, पूर्व कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ भाजपा सरकार)

भारत-जापान साझेदारी का नया अध्याय और पीआईओसीसीआई की भूमिका

डॉ. कीर्ति शर्मा

विश्व व्यवस्था आज तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन, नई प्रौद्योगिकियों का उदय, भू-राजनीतिक चुनौतियाँ और आर्थिक सहयोग के बदलते स्वरूप देशों को नए साझेदारों की तलाश के लिए प्रेरित कर रहे हैं। ऐसे समय में भारत और जापान की साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंध नहीं, बल्कि एशिया और विश्व की स्थिरता, समृद्धि और सतत विकास की एक महत्वपूर्ण आधारशिला बनकर उभर रही है।

भारत और जापान के संबंध केवल रणनीतिक हितों पर आधारित नहीं हैं। इनकी जड़ें सदियों पुराने सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और मानवीय संबंधों में निहित हैं। बौद्ध धर्म के माध्यम से स्थापित यह आत्मीय जुड़ाव आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, रक्षा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, आधारभूत संरचना और नवाचार जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों तक पहुँच चुका है। दोनों देशों के बीच विश्वास की जो पूंजी दशकों में निर्मित हुई है, वही इस संबंध की सबसे बड़ी शक्ति है।

सरकारी समझौते किसी भी साझेदारी की दिशा निर्धारित करते हैं, परंतु उसकी वास्तविक सफलता उद्योगों, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, उद्यमियों, निवेशकों और प्रवासी समुदाय की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। भारत-जापान संबंधों का अगला चरण भी इसी व्यापक जन-सहभागिता से तय होगा।

भारत विश्व की सबसे युवा कार्यशक्ति, तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था और नवाचार-प्रधान स्टार्टअप संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है। दूसरी ओर जापान उन्नत विनिर्माण, उत्कृष्ट इंजीनियरिंग, अनुसंधान, गुणवत्ता और दीर्घकालिक निवेश का वैश्विक केंद्र है। दोनों देशों की क्षमताएँ एक-दूसरे की प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि पूरक हैं। आवश्यकता केवल ऐसे संस्थागत मंचों की है जो इन क्षमताओं को प्रभावी ढंग से जोड़ सकें। जापान में भारतीय समुदाय की बढ़ती उपस्थिति इस सहयोग को नई दिशा देने की क्षमता रखती है। सूचना प्रौद्योगिकी, बैंकिंग, स्वास्थ्य, शिक्षा, अनुसंधान, विनिर्माण और उद्यमिता से जुड़े भारतीय पेशेवर आज जापानी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

यही समुदाय दोनों देशों के बीच निवेश, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, व्यापार विस्तार, शैक्षणिक सहयोग और कुशल मानव संसाधन के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम बन सकता है। आज भारतीय प्रवासी केवल विदेशों में रहने वाला समुदाय नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक कूटनीति का महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगी है।

ऐसे समय में पीपल ऑफ इंडियन ओरिजिन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीआईओसीसीआई) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। पीआईओसीसीआई सरकार, उद्योग, निवेशकों, विश्वविद्यालयों और वैश्विक भारतीय प्रवासी समुदाय के बीच एक प्रभावी संस्थागत सेतु का कार्य कर सकता है।

जापान में पीआईओसीसीआई का एक सशक्त चैप्टर स्थापित कर भारतीय उद्यमियों, शिक्षाविदों, निवेशकों और पेशेवरों को एक साझा मंच पर लाया जा सकता है। व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों, निवेश सम्मेलनों, बी-टू-बी बैठकों और क्षेत्र-विशेष संवादों के माध्यम से विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, नवीकरणीय ऊर्जा, वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण तथा स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिल सकती है। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम और जापान की निवेश क्षमता मिलकर नवाचार का नया अध्याय लिख सकते हैं। पीआईओसीसीआई स्टार्टअप, वेंचर कैपिटल, इनक्यूबेटर, विश्वविद्यालय और अनुसंधान संस्थानों के बीच सार्थक संवाद स्थापित कर इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

इसके साथ ही जापान में कुशल मानव संसाधन की बढ़ती मांग भारतीय युवाओं के लिए नए अवसर लेकर आई है। भाषा प्रशिक्षण, व्यावसायिक प्रमाणन और उद्योग-आधारित कौशल विकास के माध्यम से हजारों युवाओं को वैश्विक रोजगार से जोड़ा जा सकता है।

आर्थिक सहयोग तभी स्थायी बनता है जब उसके पीछे सांस्कृतिक विश्वास और सामाजिक आत्मीयता हो। इसलिए सांस्कृतिक कार्यक्रम, युवा आदान-प्रदान, नेतृत्व संवाद और विरासत आधारित गतिविधियाँ भी उतनी ही आवश्यक हैं जितने व्यापारिक समझौते। यही वे प्रयास हैं जो दीर्घकालिक विश्वास का निर्माण करते हैं।

जब भारत विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर अग्रसर है और जापान नवाचार आधारित आर्थिक विकास की नई दिशा तलाश रहा है, तब दोनों देशों के संबंधों को एक नए आयाम पर ले जाने का यह उपयुक्त समय है। अब आवश्यकता केवल सरकारी स्तर पर सहयोग की नहीं, बल्कि समाज, उद्योग, शिक्षा, अनुसंधान और वैश्विक भारतीय प्रवासी समुदाय की व्यापक भागीदारी की है।

पीआईओसीसीआई का विश्वास है कि भविष्य की भारतझजापान साझेदारी केवल कूटनीतिक समझौतों से नहीं, बल्कि उन संस्थाओं से निर्मित होगी जो लोगों को जोड़ें, उद्यमिता को प्रोत्साहित करें, ज्ञान का आदान-प्रदान बढ़ाएँ और विश्वास को स्थायी सहयोग में परिवर्तित करें। यही प्रयास भारत और जापान दोनों की साझा समृद्धि तथा विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को नई गति प्रदान करेंगे। (लेखक, पीपल ऑफ इंडियन ओरिजिन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीआईओसीसीआई) के महासचिव हैं)

अन्न से ऊर्जा तक आत्मनिर्भर भारत की नई क्रांति का नाम है ई-20

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय इतिहास के सबसे कठिन अध्यायों में वर्ष 1965-66 का वह दौर गिना जाता है, जब देश की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही थी, किंतु खेतों की पैदावार उतनी नहीं थी कि हर नागरिक का पेट भर सके। भारत को अमेरिका से पीएल-480 योजना के तहत गेहूं आयात करना पड़ता था। विदेशी जहाजों पर आने वाले अनाज का इंतजार करना उस समय की मजबूरी थी। तब शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि यही भारत कुछ दशकों बाद दुनिया के सबसे बड़े खाद्यान्न उत्पादक देशों में शामिल होगा और कई देशों को अनाज निर्यात भी करेगा।

अब प्रश्न यह है कि क्या यह परिवर्तन किसी चमत्कार से आया ? निश्चित ही नहीं, चमस्कार नहीं श्रम एवं वैज्ञानिक परिश्रम से अवश्य आया था। इसके पीछे वर्षों तक चले वैज्ञानिक अनुसंधान, दूरदर्शी नीतियां, किसानों का परिश्रम रहा है। आज भारत एक बार फिर उसी प्रकार के परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार चुनौती भोजन की न होकर ऊर्जा जरूरतों की है।

फिलहाल देश का जो परिदृष्य है, वह पहले कभी खाद्यान्न के लिए विदेशों पर निर्भर रहने के समान ही मौजूद है। आज भी अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करना पड़ रहा है। यही कारण है कि जब भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, उसका सीधा प्रभाव भारत की अर्थव्यवस्था, विदेशी मुद्रा भंडार और आम नागरिक की जेब पर पड़ता है।

ऐसे समय में ई20 अर्थात 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कहना होगा कि एक नया ईंधन भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की उस लंबी यात्रा का प्रारंभिक चरण है, जो आने वाले वर्षों में देश की आर्थिक और रणनीतिक स्थिति को बदल सकता है। दुर्भाग्य यह है कि जिस पहल को उसके व्यापक राष्ट्रीय संदर्भ में समझा जाना चाहिए, वह सोशल मीडिया पर फैली अधूरी जानकारियों और भ्रामक दावों के कारण विवाद का विषय बनती जा रही है। जब हर नई पहल का विरोध हुआ, लेकिन समय ने उसे सही साबित किया

भारतीय विकास यात्रा का इतिहास बताता है कि लगभग हर बड़े परिवर्तन का प्रारंभ संदेह और विरोध के बीच हुआ। जब हरित क्रांति शुरू हुई, तब भी अनेक विशेषज्ञों ने आशंका जताई थी कि नई किस्म के बीज और रासायनिक उर्वरक भारतीय खेती को नुकसान पहुंचाएंगे। जब श्वेत क्रांति की शुरूआत हुई तो यह कहा गया कि गांवों में संगठित दुग्ध उत्पादन संभव नहीं होगा। डिजिटल भुगतान प्रणाली आई तो अनेक लोगों ने इसे अव्यावहारिक बताया। आज यही भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल भुगतान नेटवर्क का संचालन कर रहा है। इसी प्रकार एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर भी अनेक आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। कोई इसे पुराने वाहनों के लिए नुकसानदायक बता रहा है, कोई इसे इंजन खराब करने वाला ईंधन कह रहा है, तो कोई इसे केवल सरकारी प्रयोग बताकर खारिज करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन यदि तथ्यों और वैज्ञानिक अध्ययनों पर नजर डालें तो तस्वीर बिल्कुल अलग दिखाई देती है।

ई20 कोई प्रयोग नहीं, 25 वर्षों की सुनियोजित तैयारी का परिणाम

अक्सर ऐसा प्रचार किया जाता है कि भारत ने अचानक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने का निर्णय ले लिया, जबकि वास्तविकता यह है कि इस दिशा में काम वर्ष 2001 में ही शुरू हो गया था। सबसे पहले सीमित स्तर पर एथेनॉल मिश्रण का परीक्षण किया गया। वर्ष 2004 में इसे औपचारिक कार्यक्रम का स्वरूप मिला और 2006 तक कई राज्यों में पांच प्रतिशत मिश्रण वाला ईंधन उपलब्ध कराया जाने लगा, उसके बाद भी सरकार ने जल्दबाजी नहीं दिखाई। लगभग दो दशकों तक उत्पादन क्षमता बढ़ाने, वैज्ञानिक परीक्षण करने, ऑटोमोबाइल कंपनियों से परामर्श लेने, नई डिस्टिलरियां स्थापित करने और किसानों को एथेनॉल उत्पादन से जोड़ने की दिशा में लगातार काम किया गया। वर्ष 2018 की राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति और 2021 में जारी ई20 रोडमैप इस पूरी प्रक्रिया के महत्वपूर्ण पड़ाव बने। यानी जिस निर्णय को आज लोग अचानक लागू हुई नीति समझ रहे हैं, उसके पीछे लगभग पच्चीस वर्षों की तैयारी, हजारों करोड़ रुपये का निवेश और हजारों वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, कृषि विशेषज्ञों तथा उद्योग जगत का साझा प्रयास है।

ऊर्जा सुरक्षा क्यों बन गई राष्ट्रीय आवश्यकता?

भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। उद्योग बढ़ रहे हैं, वाहन बढ़ रहे हैं, सड़कें बढ़ रही हैं और ऊर्जा की मांग भी लगातार बढ़ रही है, किंतु इसके साथ एक बड़ी चुनौती भी जुड़ी हुई है, वह है कच्चे तेल का आयात।

देश अपनी आवश्यकता का अधिकांश कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। इसका अर्थ यह है कि पश्चिम एशिया में युद्ध हो, वैश्विक आपूर्ति बाधित हो या अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ जाएं, उसका सीधा असर भारत पर पड़ता है। यही कारण है कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता आज राष्ट्रीय सुरक्षा का भी विषय बन चुकी है।

यहीं से ई20 जैसी पहल का महत्व बढ़ जाता है। यदि पेट्रोल का 20 प्रतिशत हिस्सा भारत के खेतों से उत्पादित एथेनॉल से पूरा होने लगे तो विदेशी तेल पर निर्भरता धीरे-धीरे कम होगी। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी, किसानों को नया बाजार मिलेगा और ऊर्जा आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा देश के भीतर ही तैयार होगा।

अन्नदाता से ऊजार्दाता बनने की शुरूआत

वास्तव में इस बात के लिए सभी को खुश होना चाहिए कि भारत के किसान दशकों से देश का पेट भरते आए हैं। अब पहली बार उन्हें ऊर्जा अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण भागीदार बनाया जा रहा है। गन्ने के साथ-साथ मक्का, चावल और अन्य कृषि आधारित स्रोतों से बनने वाला एथेनॉल किसानों की आय का नया माध्यम बन रहा है। यह परिवर्तन ग्रामीण भारत को देश की ऊर्जा सुरक्षा से जोड़ने का प्रयास है। जिस प्रकार हरित क्रांति ने किसानों को खाद्यान्न उत्पादन का नायक बनाया था, उसी प्रकार एथेनॉल मिशन उन्हें ऊर्जा उत्पादन का भी सहभागी बना रहा है।

सोशल मीडिया के शोर से परे वैज्ञानिक दृष्टि की आवश्यकता

आज सूचना का सबसे बड़ा स्रोत सोशल मीडिया बन गया है, किंतु यही सबसे बड़ा भ्रम भी पैदा कर सकता है। किसी एक व्यक्ति का व्यक्तिगत अनुभव पूरे देश की वास्तविकता नहीं हो सकता। सार्वजनिक नीति का मूल्यांकन वैज्ञानिक परीक्षणों, संस्थागत अध्ययनों और व्यापक आंकड़ों के आधार पर किया जाता है।

ई20 को लेकर भी यही दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। इसे किसी राजनीतिक बहस या सोशल मीडिया ट्रेंड के रूप में देखने के बजाय भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा नीति के रूप में समझना होगा। जिस प्रकार हरित क्रांति के परिणाम एक-दो वर्ष में नहीं दिखाई दिए थे, उसी प्रकार ऊर्जा आत्मनिर्भरता की यह यात्रा भी धैर्य, वैज्ञानिक सोच और निरंतर निवेश की मांग करती है।

क्या पुराने वाहनों को नुकसान पहुंचाता है ई20?

ई20 को लेकर सबसे बड़ी आशंका यही व्यक्त की जाती है कि इससे पुराने वाहनों के इंजन खराब हो जाएंगे। सोशल मीडिया पर ऐसे अनेक वीडियो और संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं जिनमें दावा किया जाता है कि एथेनॉल इंजन, रबर पाइप और फ्यूल सिस्टम को नुकसान पहुंचाता है, लेकिन जब इन दावों की तुलना वैज्ञानिक परीक्षणों और वास्तविक आंकड़ों से की जाती है तो तस्वीर अलग दिखाई देती है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार ई20 लागू करने से पहले 40 हजार किलोमीटर से अधिक व्यापक परीक्षण किए गए। इन परीक्षणों में इंजन की कार्यक्षमता, रबर पार्ट्स, फ्यूल लाइन, धातु पर जंग, उत्सर्जन, ईंधन दक्षता और टिकाऊपन जैसे सभी पहलुओं की जांच की गई। परीक्षणों में ऑटोमोबाइल उद्योग, अनुसंधान संस्थानों तथा तेल कंपनियों की भी सक्रिय भागीदारी रही।

इतना ही नहीं, करोड़ों वाहनों की सर्विसिंग के दौरान भी ई20 के कारण इंजन खराब होने या बड़े स्तर पर तकनीकी समस्या के प्रमाण नहीं मिले। यदि वास्तव में यह ईंधन व्यापक रूप से नुकसानदायक होता तो वाहन कंपनियों के पास लाखों वारंटी क्लेम आते और पूरे ऑटोमोबाइल उद्योग में गंभीर संकट खड़ा हो जाता। ऐसा नहीं हुआ। इससे स्पष्ट होता है कि व्यक्तिगत अनुभव और वैज्ञानिक निष्कर्षों के बीच अंतर समझना आवश्यक है।

माइलेज का सवाल

ई20 को लेकर दूसरा बड़ा तर्क माइलेज का दिया जाता है। सरकार स्वयं स्वीकार करती है कि कुछ वाहनों में तीन से पांच प्रतिशत तक माइलेज कम हो सकता है, किंतु क्या किसी ईंधन का मूल्यांकन केवल माइलेज के आधार पर किया जा सकता है? क्योंकि एथेनॉल की ऑक्टेन रेटिंग अधिक होती है। इससे इंजन में बेहतर दहन होता है, एंटी-नॉक क्षमता बढ़ती है, इंजन की कार्यक्षमता सुधरती है और प्रदूषण कम होता है। भविष्य में जैसे-जैसे वाहन निमार्ता ए20 को ध्यान में रखकर इंजन डिजाइन करेंगे, वैसे-वैसे प्रदर्शन और बेहतर होने की संभावना है। इसलिए ए20 को केवल माइलेज के चश्मे से देखना उसके व्यापक लाभों की अनदेखी करना होगा।

पेट्रोल सस्ता क्यों नहीं हुआ?

आम नागरिक का यह प्रश्न पूरी तरह स्वाभाविक है कि यदि पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाया जा रहा है तो कीमत कम क्यों नहीं हुई? दरअसल, यह धारणा पूरी तरह सही नहीं कि एथेनॉल हमेशा पेट्रोल से सस्ता होता है। भारत में एथेनॉल की खरीद किसानों को उचित मूल्य देने की नीति के तहत की जाती है। इसके साथ परिवहन, भंडारण, गुणवत्ता परीक्षण और कर जैसे कई खर्च जुड़े होते हैं, इसलिए अनेक परिस्थितियों में इसकी वास्तविक लागत पेट्रोल के बराबर या उससे अधिक भी हो सकती है।

भारत टेक्स 2026 विश्व के सबसे बड़े वैश्विक वस्त्र आयोजन की मेजबानी के लिए तैयार

भारत के सबसे बड़े वैश्विक वस्त्र आयोजन भारत टेक्स 2026 की पूर्व संध्या पर देश का संपूर्ण वस्त्र एवं परिधान उद्योग उत्साह और उम्मीदों से भरा हुआ है। 14 से 17 जुलाई 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होने जा रहा यह भव्य आयोजन अपनी अंतिम तैयारियों के चरण में है। कल से प्रारंभ होने वाला यह आयोजन भारत की संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला (Textile Value Chain) को एकीकृत वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करेगा। भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन द्वारा, जो विभिन्न टेक्सटाइल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिलों एवं उद्योग संगठनों का संयुक्त मंच है, भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से आयोजित यह आयोजन वस्त्र, फैशन, सतत विकास, प्रौद्योगिकी, निवेश और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक नेतृत्व क्षमता को रेखांकित करता है। इस अवसर पर भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन के अध्यक्ष श्री नरेन गोयनका ने कहा, कल से हजारों प्रदर्शक, 7,000 से अधिक खरीदार तथा 20 से अधिक देशों के प्रतिनिधि भारत मंडपम पहुंचेंगे और भारत टेक्स के अब तक के सबसे महत्वाकांक्षी संस्करण का हिस्सा बनेंगे।

भारत टेक्स 2026 वस्त्र मंत्रालय, टेक्सटाइल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिलों और उद्योग संगठनों के उत्कृष्ट सहयोग का प्रतीक है, जिनके सतत मार्गदर्शन और अमूल्य सहयोग ने इसे वैश्विक स्तर का अग्रणी वस्त्र मंच बनाया है।

भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन के सह-अध्यक्ष श्री भद्रेश दोधिया ने कहा अगले चार दिनों में 4,000 से अधिक B2B व्यावसायिक बैठकों तथा 30 से अधिक समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। भारत टेक्स 2026 को इस प्रकार तैयार किया गया है कि यह केवल संवाद का मंच न होकर, वास्तविक व्यावसायिक निर्णयों, निवेश प्रतिबद्धताओं और दीर्घकालिक साझेदारियों का केंद्र बने। इंडिया एक्सपोज़िशन मार्ट लिमिटेड (IEML) के अध्यक्ष एवं भारत टेक्स 2026 की कोर कमेटी के सदस्य डॉ. राकेश कुमार ने कहा स्टेट इन्वेस्टर कनेक्ट सत्रों से लेकर व्यापार, प्रौद्योगिकी, स्थिरता और शिल्प पर आधारित 100 से अधिक ज्ञान सत्रों तक, इस संस्करण को भारत के संपूर्ण वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र–बड़े निर्यातकों से लेकर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs) तक–की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

मुझे विश्वास है कि भारत टेक्स 2026 वह संस्करण सिद्ध होगा जिसने इस आयोजन को वैश्विक पहचान के नए शिखर तक पहुंचाया।

भारत टेक्स 2026 में सरकार की सक्रिय भागीदारी इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक है। मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु प्रायोजक राज्यों (Sponsor States के रूप में भाग ले रहे हैं। वहीं आंध्र प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, ओडिशा, मणिपुर, राजस्थान और पश्चिम बंगाल प्रदर्शक राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के रूप में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। केंद्र, राज्य सरकारों और उद्योग के बीच सहयोग को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से गुजरात, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पंजाब, बिहार, महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु के लिए विशेष स्टेट इन्वेस्टर कनेक्ट सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें निवेश के अवसरों, औद्योगिक अवसंरचना, ढट टक्ळफ्अ परियोजनाओं तथा नीतिगत सहयोग पर विशेष चर्चा होगी।

भारत टेक्स 2026 में 7,000 से अधिक वैश्विक खरीदार, 1.30 लाख से अधिक व्यापारिक आगंतुक, 1,600 से अधिक प्रदर्शक, 20,000 से अधिक वस्त्र उत्पाद तथा 16 लाख वर्गफुट से अधिक प्रदर्शनी क्षेत्र शामिल होगा। भारत की संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला–फाइबर, यार्न, फैब्रिक, परिधान एवं फैशन, होम टेक्सटाइल्स, टेक्निकल टेक्सटाइल्स तथा सहायक उद्योगों–का व्यापक प्रदर्शन किया जाएगा।

साथ ही तिरुपुर, इचलकरंजी और अहमदाबाद जैसे प्रतिष्ठित वस्त्र क्लस्टर्स भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, पुर्तगाल, स्पेन, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और नेपाल सहित 14 देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त संयुक्त राष्ट्र (UN) एवं यूरोपीय संघ (एव) का संस्थागत प्रतिनिधित्व भी रहेगा। आयोजन के प्रमुख उद्योग प्रायोजकों में Trident, Vardhman Textiles, RSWM, Shahi Exports, Colorjet, Arvind, PDS Limited और Sattva शामिल हैं। आयोजन के दौरान 4,000 से अधिक B2B बैठकें, 100 से अधिक B2G बैठकें तथा 30 से अधिक समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। ये समझौते व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, सतत विकास तथा वैश्विक बाजार तक पहुंच जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देंगे।

भारत टेक्स 2026 में 20 से अधिक देशों के 350 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ, उद्योग जगत के अग्रणी प्रतिनिधि, CXOs, नीति-निमार्ता एवं विचारक भाग लेंगे। अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए विशेष इंटरनेशनल पवेलियन भी स्थापित किया गया है। न्यूजीलैंड, श्रीलंका, जॉर्डन, कंबोडिया और ब्रुनेई के मंत्रीस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों ने आयोजन में भागीदारी में रुचि दिखाई है।

वहीं अमेरिका, जापान, स्पेन, ब्रिटेन, पुर्तगाल, रूस, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, थाईलैंड, बांग्लादेश, श्रीलंका और म्यांमार सहित अनेक देशों के उद्योग एवं व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी आयोजन में शामिल होंगे। भारत-अमेरिका कपास साझेदारी, भारत-न्यूजीलैंड ऊन सहयोग, भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता (FTA), जापान उद्योग प्रतिनिधिमंडल तथा रूस-केंद्रित वस्त्र चचाएं इस संस्करण के प्रमुख द्विपक्षीय सत्र होंगे।

डीएस ग्रुप ने नैनो-फाइबर आधारित सुरक्षा समाधान किया पेश

बागपत के 7 गांवों में पल्लू प्रोटेक्शन इक्विपमेंट जागरूकता अभियान शुरू

बागपत, उत्तर प्रदेश। प्रमुख एफएमसीजी समूह और मल्टी-बिजनेस कॉरपोरेशन, धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) ने कृषि कार्य के दौरान कीटनाशकों और रासायनिक पदार्थों के संपर्क से होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों से महिला किसानों की सुरक्षा के लिए नई पहल शुरू की है। कंपनी ने बागपत जिले के पाली, कथा, बांडपुर, सुनहेरा, बसी, मावीकला और सांकरौध सहित सात गांवों में 'पल्लू प्रोटेक्शन इक्विपमेंट' जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य केवल महिला किसानों को कीटनाशकों से होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में जागरूक करना ही नहीं, बल्कि उन्हें उनकी जरूरतों और स्थानीय जीवनशैली के अनुरूप एक व्यावहारिक सुरक्षा समाधान भी उपलब्ध कराना है। अभियान के तहत जागरूकता, स्वास्थ्य जांच और सुरक्षा उपायों को एक साथ जोड़ते हुए सुरक्षित खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।। डीएस ग्रुप ने इस अभियान के तहत पल्लू प्रोटेक्शन इक्विपमेंट (पीपीई -PPE) फिल्टर पेश किया है। यह धोकर दोबारा इस्तेमाल किया जा सकने वाला नैनो-फाइबर फिल्टर है, जिसे साड़ी के पल्लू या दुपट्टे में आसानी से लगाया जा सकता है। इसके बाद यही पल्लू या दुपट्टा खेती के दौरान सुरक्षा कवच का काम करता है। यह फिल्टर कीटनाशकों के महीन कणों, धूल, हानिकारक रसायनों और पीएम 2.5 जैसे प्रदूषकों से बचाव में मदद करता है। कंपनी इन फिल्टरों को बागपत के 7 गांवों में चयनित टेलर की दुकानों, कीटनाशक विक्रेताओं और मेडिकल स्टोर के माध्यम से निःशुल्क उपलब्ध करा रही है। इस अभियान के तहत मोबाइल जागरूकता वैन, पारंपरिक कठपुतली शो, स्थानीय भाषा में नुक्कड़ नाटक, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर और घर-घर जाकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। स्थानीय प्रशासन और ग्रामीण समुदाय के सहयोग से चलाए जा रहे इस कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को कीटनाशकों के संपर्क से होने वाले छिपे स्वास्थ्य जोखिमों और सुरक्षित कृषि पद्धतियों को अपनाने के महत्व के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

स्वास्थ्य शिविरों में महिला किसानों के ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर की जांच तथा सुरक्षा मास्क वितरित किए जा रहे हैं। साथ ही प्रत्येक महिला किसान को सुरक्षित खेती का संदेश देने वाले कैलेंडर और आईने भी दिए जा रहे हैं ताकि सुरक्षित खेती पद्धतियों के प्रति जागरूकता लगातार बनी रहे।

डीएस ग्रुप के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (कॉर्पोरेट मार्केटिंग) राजीव जैन ने कहा महिला किसान भारत की कृषि अर्थव्यवस्था में एक अहम भूमिका निभाती है, लेकिन खेती के दौरान उन्हें जिन स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करना पड़ता है, उनके बारे में जागरूकता अभी भी बहुत कम है। हमारे अध्ययन में सामने आया कि कई महिला किसान कीटनाशकों का छिड़काव करते समय साड़ी के पल्लू या दुपट्टे को चेहरे पर बांधकर सुरक्षा का प्रयास करती हैं, जबकि इससे पर्याप्त बचाव नहीं हो पाता। इससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें ऐसे सरल, उपयोगी और उनकी जीवनशैली के अनुरूप सुरक्षा समाधान उपलब्ध कराने की आवश्यकता है, जिन्हें वे आसानी से अपना सकें। 'पल्लू प्रोटेक्शन इक्विपमेंट' जागरूकता अभियान के माध्यम से डीएस ग्रुप केवल जागरूकता ही नहीं फैला रहा, बल्कि ऐसे व्यावहारिक और सुलभ समाधान भी उपलब्ध करा रहा है, जो महिला किसानों के लिए खेती को अधिक सुरक्षित और स्वस्थ बना सकते हैं। यह पहल डीएस ग्रुप के 'फार्महर (FÔrmHER)' कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसके जरिए देशभर की महिला किसानों के योगदान को सम्मान देने और उनकी मदद करने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मकसद महिला किसानों तक स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ी जरूरी जानकारी आसान भाषा और उनकी जरूरत के मुताबिक पहुंचाना है, ताकि वे सुरक्षित और बेहतर तरीके से खेती कर सकें। कंपनी ने पुरुष किसानों का भी ध्यान रखा है। इसके लिए पीपीई (PPE) (पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट) का एक खास संस्करण तैयार किया गया है, जिसे किसानों के गमछे में लगाया जा सकता है। इससे पुरुष किसान भी खेती के दौरान कीटनाशकों, धूल और अन्य हानिकारक कणों से खुद को बेहतर तरीके से सुरक्षित रख सकेंगे।

द इंडिया स्टोरी की टीम ने दिल्ली में उठाई जनस्वास्थ्य की गंभीर चिंता

फिल्म द इंडिया स्टोरी की टीम ने दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कीटनाशक आधारित खेती के खतरनाक प्रभावों पर गंभीर चिंता जताई। इस मौके पर फिल्म की मुख्य अभिनेत्री काजल अग्रवाल, अभिनेता श्रेयस तलपड़े और निर्देशक चेट्टन डीके मौजूद रहे।

सभी ने मिलकर फिल्म के जरिए समाज को जागरूक करने की अपनी कोशिश को साझा किया। फिल्म के उद्देश्य पर बात करते हुए निर्देशक चेट्टन डीके ने कहा, द इंडिया स्टोरी किसानों के खिलाफ नहीं है, बल्कि उन हानिकारक रसायनों के दुरुपयोग के खिलाफ है जो चुपचाप हमारी खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाते हैं। इस फिल्म के माध्यम से हम आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य को लेकर एक जरूरी चर्चा शुरू करना चाहते हैं। अगर यह कहानी कुछ परिवारों को भी अपने खानपान को लेकर जागरूक करती है, तो हम अपने मकसद को सफल मानेंगे।

अभिनेता श्रेयस तलपड़े ने कहा कि यह विषय उन्हें व्यक्तिगत रूप से गहराई से छू गया। उन्होंने कहा, एक अभिभावक होने के नाते यह कहानी मुझे भावनात्मक रूप से प्रभावित करती है। हम अक्सर यह नहीं समझ पाते कि रोजाना हमारी थाली में क्या पहुंच रहा है और इसका हमारे बच्चों पर क्या असर पड़ सकता है। उम्मीद है कि दर्शक इस फिल्म को सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक चेतावनी के रूप में भी देखेंगे।

वहीं काजल अग्रवाल ने भी इस मुद्दे की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा, मां बनने के बाद इस फिल्म को लेकर मेरा नजरिया पूरी तरह बदल गया। द इंडिया स्टोरी की तैयारी के दौरान मुझे कई ऐसे तथ्य पता चले जो बेहद परेशान करने वाले थे। यह फिल्म सिर्फ खाद्य मिलावट या कीटनाशक खेती के बारे में नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के बारे में है। जी स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत और MIG प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज के सहयोग से बनी यह फिल्म चेट्टन डीके द्वारा निर्देशित है, जबकि सागर बी. शिंदे इसके लेखक और निमार्ता हैं। द इंडिया स्टोरी 24 जुलाई 2026 को हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सिंधी कांउसिल ऑफ इंडिया
Regn. No. : S-34749
द्वारा प्रत्येक माह के दूसरे रविवार
को गरीब, असहाय व जरुरतमंद परिवारों के लिए
भण्डारा, कपड़े एवं अन्य आवश्यक सामग्री
वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।
वितरण स्थान : 10ए, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-08
इस पुनीत कार्य में हमारे साथ सहयोगी संस्था
मीडिया प्रेस क्लब

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1,
New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

वैज्ञानिकों ने शोध में किया खुलासा

दही, प्रोबायोटिक्स से घट सकता है कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा

- शोधकर्ताओं ने एनएचएएनएस के साल 2001 से 2020 तक के आंकड़ों का किया अध्ययन
- अच्छे व खराब बैक्टीरिया के संतुलन पर खाद्य पदार्थों का सकारात्मक असर

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। खाने-पीने की आदतों का हमारी सेहत पर सीधा असर पड़ता है। अब एक नई रिसर्च में सामने आया है कि दही, प्रोबायोटिक्स और प्रीबायोटिक्स जैसे खाद्य पदार्थ आंतों की सेहत को बेहतर रखने में मदद कर सकते हैं और इनका सेवन कोलोरेक्टल कैंसर (आंत और मलाशय का कैंसर) के खतरे को कम कर सकता है। यह शोध चंग शान मेडिकल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल रिसर्च प्रोग्राम के सहयोग से किया गया था।

इस स्टडी में 50 साल या उससे ज्यादा उम्र के लोगों पर ध्यान दिया गया। शोधकर्ताओं ने अमेरिका के नेशनल हेल्थ एंड न्यूट्रिशन एग्जामिनेशन सर्वे (एनएचएएनएस) के साल 2001 से 2020 तक के आंकड़ों का अध्ययन किया। इसमें करीब 9,405 लोगों को शामिल किया गया, जो अमेरिका की लगभग 3.7 करोड़ वयस्क आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। शोधकर्ताओं ने लोगों की डाइट, सप्लीमेंट लेने की आदतों और कोलोरेक्टल कैंसर के इतिहास से जुड़ी जानकारी का विश्लेषण किया। इसके अलावा उम्र, लिंग, खान-पान की दूसरी आदतें, धूम्रपान, वजन, शारीरिक स्थिति और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारकों को भी ध्यान में रखा गया, ताकि परिणाम ज्यादा सटीक हो सकें।

स्टडी में पाया गया कि जिन लोगों ने प्रोबायोटिक्स, प्रीबायोटिक्स या दही का सेवन किया, उनमें कोलोरेक्टल कैंसर की संभावना लगभग 50 प्रतिशत तक कम देखी गई। शोधकर्ताओं के अनुसार, इसका एक कारण आंतों में मौजूद माइक्रोबायोटा यानी अच्छे और खराब बैक्टीरिया के संतुलन पर इन खाद्य पदार्थों का सकारात्मक असर हो सकता है। प्रोबायोटिक्स ऐसे जीवित सूक्ष्मजीव होते हैं जो शरीर में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करते हैं। वहीं, प्रीबायोटिक्स ऐसे फाइबर होते हैं जो इन अच्छे बैक्टीरिया के लिए भोजन का काम करते हैं। दही जैसे फर्मेंटेड फूड्स में भी ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। हालांकि, शोधकर्ताओं ने यह भी साफ किया है कि यह स्टडी सिर्फ एक संबंध को दिखाती है, इससे यह साबित नहीं होता कि दही या प्रोबायोटिक्स सीधे तौर पर कैंसर को रोकते हैं। चूंकि यह रिसर्च पुराने आंकड़ों पर आधारित थी, इसलिए लंबे समय तक लोगों का अध्ययन करने वाली और रिसर्च की जरूरत है। फिर भी, यह अध्ययन इस बात की ओर इशारा करता है कि संतुलित खान-पान और आंतों की अच्छी सेहत कैंसर से बचाव की रणनीति में अहम भूमिका निभा सकती है।

कॉफी पीने से कम होता है लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा

- अध्ययन में सामने आए चौंकाने वाले नतीजे
- कॉफी न पीने वालों की तुलना में सिरोसिस का खतरा 32 प्रतिशत तक कम

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कॉफी पीना पसंद करने वालों के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। एक नए अध्ययन में पाया गया है कि नियमित रूप से कॉफी पीने वाले लोगों में गंभीर लिवर बीमारी का खतरा कम होता है। इनमें लिवर सिरोसिस और लिवर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां भी शामिल हैं। यह अध्ययन अमेरिका के सीडर्स-सिनाई के शोधकर्ताओं ने किया है, जिसे मेडिकल जर्नल क्लिनिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी में प्रकाशित किया गया है। शोध में ब्रिटेन के यूके बायोबैंक में शामिल करीब 3.55 लाख लोगों के स्वास्थ्य आंकड़ों का अध्ययन किया गया। इन लोगों को अध्ययन की शुरुआत में न तो सिरोसिस था और न ही लिवर कैंसर। शोधकर्ताओं ने करीब 13 साल तक इन लोगों की सेहत पर नजर रखी।

अध्ययन में सामने आया कि जो लोग रोजाना पांच या उससे ज्यादा कप कॉफी पीते थे, उनमें कॉफी न पीने वालों की तुलना में सिरोसिस का खतरा 32 प्रतिशत तक कम था। वहीं, ऐसे लोगों में लिवर कैंसर होने का खतरा 47 प्रतिशत कम और लिवर से जुड़ी बीमारी के कारण मौत का खतरा 42 प्रतिशत तक कम पाया गया।

हालांकि, शोधकर्ताओं का कहना है कि इसका मतलब यह नहीं है कि हर व्यक्ति को अब पांच या उससे ज्यादा कप कॉफी पीनी शुरू कर देनी चाहिए। अध्ययन में यह भी देखा गया कि कॉफी के फायदे एक-दो कप रोजाना पीने वालों में भी दिखाई दिए। वहीं, तीन से चार कप प्रतिदिन पीने वालों में इसका संबंध सबसे मजबूत नजर आया।

अध्ययन के प्रमुख लेखक और सीडर्स-सिनाई के लिवर कैंसर प्रोग्राम के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. जू डोंग यांग ने कहा कि जो लोग कॉफी पीते हैं और उसे आसानी से सहन कर पाते हैं, उनके लिए सामान्य मात्रा में कॉफी पीना फायदेमंद हो सकता है। लेकिन केवल लिवर की सुरक्षा के लिए किसी को कॉफी पीना शुरू करने की सलाह नहीं दी जा सकती।

शोधकर्ताओं ने यह समझने की कोशिश भी की कि आखिर कॉफी का लिवर पर असर कैसे हो सकता है। इसके लिए उन्होंने लोगों के लिवर एमआरआई स्कैन और खून में मौजूद प्रोटीन की जांच की। इसमें पाया गया कि कॉफी पीने वालों में लिवर में जमा फैट, सूजन और फाइब्रोसिस यानी लिवर में निशान बनने से जुड़े संकेत कम थे। उनके लिवर से जुड़े प्रोटीन प्रोफाइल भी ज्यादा स्वस्थ पाए गए। एक और दिलचस्प बात यह सामने आई कि कैफीन वाली और बिना कैफीन वाली दोनों तरह की कॉफी पीने वालों में लिवर से जुड़े समान फायदे देखे गए। इससे वैज्ञानिकों का मानना है कि केवल कैफीन ही नहीं, बल्कि कॉफी में मौजूद दूसरे तत्व भी इसमें भूमिका निभा सकते हैं। डॉ. ह्यूनसेक किम, जो इस अध्ययन के प्रमुख शोधकर्ताओं में शामिल हैं, के अनुसार कॉफी में सैकड़ों जैविक तत्व पाए जाते हैं। इनमें क्लोरोजेनिक एसिड, पॉलीफेनॉल और डाइटरपीन जैसे तत्व शामिल हैं, जो शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। ये तत्व लिवर पर पड़ने वाले दबाव को कम करने और मेटाबॉलिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भूमिका निभा सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कॉफी एक स्वस्थ जीवनशैली का हिस्सा हो सकती है, लेकिन यह लिवर को स्वस्थ रखने का अकेला तरीका नहीं है। इसके लिए संतुलित आहार लेना भी जरूरी है। सब्जियां, फल, साबुत अनाज, दालें, मेवे, जैतून का तेल और मछली से भरपूर मेडिटेरेनियन डाइट लिवर के लिए अच्छी मानी जाती है।

इसके अलावा डायबिटीज और इंसुलिन रेजिस्टेंस को नियंत्रित करना, हेपेटाइटिस जैसी संक्रमण वाली बीमारियों से बचाव करना और नियमित शारीरिक गतिविधि भी जरूरी है। इस रिसर्च में केवल लोगों की कॉफी पीने की आदत और उनकी सेहत के बीच संबंध देखा गया। वैज्ञानिक इसे कारण और परिणाम के रूप में साबित नहीं कर पाए हैं। यानी यह निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता कि कॉफी पीने की वजह से ही लिवर बेहतर रहता है।

शिल्पा शिंदे के ऑर्डर पर फूट फूटकर रोईं शिवांगी जोशी

दोस्त हर्षद चोपड़ा से दूरी बनाने की बात पर छलके आंसू

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। टीवी की दुनिया की मशहूर अभिनेत्री शिवांगी जोशी इन दिनों रियलिटी शो 'लॉक अप सच या सजा' में अपने व्यक्तित्व और रिश्तों को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। शो में उनके और अभिनेता हर्षद चोपड़ा की दोस्ती को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। दोनों को अक्सर एक-दूसरे का साथ देते और बातचीत करते देखा जाता है। लेकिन हाल ही में शो में कुछ ऐसा हुआ, जिससे शिवांगी रोने लगी। कंट्रोलर की भूमिका निभा रहीं शिल्पा शिंदे के एक ऑर्डर के बाद शिवांगी खुद को संभाल नहीं पाईं और फूट-फूट कर रोने लगी।

शो के नए एपिसोड में शिल्पा शिंदे ने कंट्रोलर के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए शिवांगी से कहा कि वह हर्षद के साथ अपनी बातचीत थोड़ी कम करें। शिल्पा ने कहा कि कंट्रोलर होने के नाते मैं आपसे कह रही हूं कि हर्षद से अपनी बातचीत कम कर दीजिए। मैंने सिर्फ कम करने के लिए कहा है, पूरी तरह बंद करने के लिए नहीं। मैं आपको हर्षद के साथ कहीं बैठा हुआ नहीं देखना चाहती।

शिल्पा की बात सुनकर शिवांगी ने कहा कि यह तो बातचीत पूरी तरह रोकने जैसा हो जाएगा। इसके जवाब में शिल्पा ने अपनी बात समझाते हुए कहा कि उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि शिवांगी हर्षद से बात ही न करें। उनका मतलब सिर्फ इतना है कि वह दोनों को हर जगह साथ बैठे हुए न देखें। शिल्पा ने कहा कि उन्हें इस बात में कोई दिलचस्पी नहीं है कि शिवांगी किससे बात करती हैं, लेकिन वह बतौर कंट्रोलर अपना ऑर्डर दे रही हैं। इस बातचीत के बाद शिवांगी काफी परेशान हो गईं। उनकी आंखों से आंसू निकल आए और वह सीधे हर्षद चोपड़ा के पास गईं। उन्होंने हर्षद को शिल्पा के दिए हुए ऑर्डर के बारे में बताया।

स्मार्टफोन खरीदते समय 68 प्रतिशत उपभोक्ता एआई फीचर्स को दे रहे प्राथमिकता

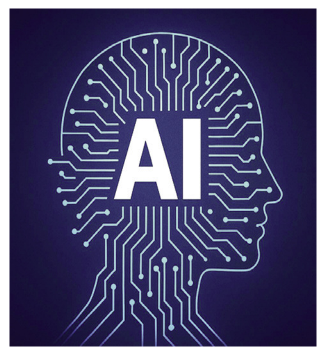

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब स्मार्टफोन खरीदने का एक अहम आधार बनता जा रहा है। एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, 68 प्रतिशत उपभोक्ता स्मार्टफोन खरीदते समय एआई फीचर्स को प्राथमिकता देते हैं, जबकि 82 प्रतिशत लोगों का मानना है कि पारदर्शी डेटा प्रबंधन और भरोसा स्मार्टफोन खरीदने के फैसले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) की रिपोर्ट में कहा गया है कि 61 प्रतिशत उपभोक्ताओं का मानना है कि डिवाइस के भीतर (ऑन-डिवाइस) होने वाली एआई प्रोसेसिंग से स्मार्टफोन की प्रतिक्रिया क्षमता बेहतर होती है और डेटा की गोपनीयता भी अधिक सुरक्षित रहती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अब एआई केवल एक अतिरिक्त सुविधा नहीं रह गया है, बल्कि यह स्मार्टफोन खरीदने का प्रमुख कारण बन चुका है। उपभोक्ता बेहतर प्रदर्शन (78 प्रतिशत), एआई से लैस बेहतर कैमरा गुणवत्ता (70 प्रतिशत) और मजबूत एआई फीचर्स (59 प्रतिशत) को स्मार्टफोन की सबसे महत्वपूर्ण खूबियां मानते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एआई ने खरीदारी के प्रमुख मानकों में डिजाइन, कीमत और बैटरी लाइफ जैसे पारंपरिक पहलुओं को भी पीछे छोड़ दिया है।

यदि समान कीमत वाले दो स्मार्टफोन में से किसी एक का चयन करना हो, तो 60 प्रतिशत उपभोक्ता ऐसे फोन को पसंद करते हैं जिसमें एआई फीचर्स और दमदार हार्डवेयर दोनों का संतुलित मेल हो। वे इनमें से किसी एक के साथ समझौता नहीं करना चाहते। वहीं, 25 प्रतिशत उपभोक्ता ऐसे हैं जो एआई को सबसे अधिक प्राथमिकता देते हैं, जबकि सिर्फ 15 प्रतिशत लोग अब भी केवल हार्डवेयर को ही सबसे अहम मानते हैं।

सीएमआर के इंडस्ट्री रिसर्च ग्रुप (आईआरजी) के वाइस प्रेसिडेंट प्रभु राम ने कहा कि एआई को अब अतिरिक्त फीचर के रूप में नहीं देखा जा रहा, बल्कि यह पूरे स्मार्टफोन अनुभव को प्रभावित कर रहा है। अलग-अलग आयु वर्ग और विभिन्न कीमत वाले स्मार्टफोन सेगमेंट के उपभोक्ता अब ऐसे एआई फीचर्स चाहते हैं जो उपयोगी हों, सहज हों और रोजमर्रा के इस्तेमाल में आसानी से शामिल हो जाएं।

उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे उपभोक्ताओं की अपेक्षाएं बदल रही हैं, एआई क्षमताएं भविष्य में स्मार्टफोन की पहचान और खरीद के निर्णय में और भी बड़ी भूमिका निभाएंगी। रिपोर्ट के अनुसार, 57 प्रतिशत उपभोक्ता एआई फीचर्स को अच्छी तरह समझते हैं और उनका सक्रिय रूप से उपयोग करते हैं, जबकि 43 प्रतिशत लोग एआई का केवल आंशिक रूप से इस्तेमाल करते हैं। एक्टिव एआई यूजर्स में 49 प्रतिशत ऐसे हैं जो नियमित रूप से पांच या उससे अधिक एआई फीचर्स का इस्तेमाल करते हैं, जबकि 41 प्रतिशत मध्यम स्तर के यूजर्स हैं और 10 प्रतिशत लोग केवल जरूरत पड़ने पर ही एआई फीचर्स का उपयोग करते हैं।

पहली बार एक साथ आए भोजपुरी सिनेमा के बड़े सितारे

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भोजपुरी सिनेमा की दुनिया में पवन सिंह, दिनेश लाल यादव निरहुआ', आम्रपाली दुबे और काजल राघवानी जैसे नाम किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। इन कलाकारों ने अपनी फिल्मों और गानों के जरिए करोड़ों दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है। अब ये सितारे रेयलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में नजर आएंगे। इसमें बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव भी होंगे। 'भोजपुरी बवाल' में पवन सिंह, निरहुआ, आम्रपाली दुबे, काजल राघवानी और तेज प्रताप यादव पहली बार एक साथ नजर आएंगे। शो के जरिए कोशिश की गई है कि दर्शक इन सितारों को सिर्फ फिल्मों और गानों के जरिए नहीं, बल्कि एक आम इंसान के रूप में भी जान सकें। मेकर्स द्वारा जारी किए गए शो के प्रोमो में सभी कलाकार एक साथ डिनर टेबल पर बैठे नजर आते हैं। शुरुआत में वे इस बात पर चर्चा करते हैं कि शो को दर्शकों के सामने किस तरह पेश किया जाए। लेकिन धीरे-धीरे बातचीत मजेदार बहस में बदल जाती है।

गगनयान क्रू मॉड्यूल सिस्टम के तीन प्रमुख परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे

चेन्नई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गगनयान मिशन के क्रू मॉड्यूल सिस्टम के तीन प्रमुख परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं।

इसरो ने सोमवार को बताया कि हाल ही में इसरो ने गगनयान मिशन के क्रू मॉड्यूल (सीएम) सिस्टम के लिए तीन प्रमुख क्षमता परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। इनमें क्रू मॉड्यूल अप-राइटिंग सिस्टम (सीएमयूएस) का फ्लोट इन्फ्लेशन परीक्षण, क्रू मॉड्यूल सर्विस मॉड्यूल कनेक्ट डिस्कनेक्ट सिस्टम (सीएससीडीएस) का अम्बिलिकल पृथक्करण परीक्षण और एपेक्स कवर पृथक्करण भार के लिए क्रू मॉड्यूल संरचनात्मक योग्यता परीक्षण शामिल है। सीएमयूएस का इन्फ्लेशन परीक्षण समुद्र में उतरने के बाद क्रू मॉड्यूल को सीधा रखना चालक दल की ज़रूरी सुरक्षा ज़रूरतों में से एक है। इन ज़रूरतों को पूरा करने के लिए एक संग्रहित ठंडी गैस आधारित सीधा करने की प्रणाली विकसित की गयी है। सीएमयूएस के सभी तत्वों से युक्त एक सिस्टम स्तरीय योग्यता परीक्षण सेटअप तैयार किया गया और प्राथमिक इन्फ्लेशन मॉड्यूल के लिए इन्फ्लेशन परीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न किए गए। परीक्षणों से यह सिद्ध हुआ कि इन्फ्लेशन मॉड्यूल प्राथमिक फ्लोटेशन की तैनाती के लिए कार्यात्मक और प्रदर्शन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। इसमें कहा गया है कि सीएससीडीएस एक प्रमुख प्रणाली है जो क्रू मॉड्यूल (सीएम) और सर्विस मॉड्यूल (एसएम) के बीच विद्युत/हाइड्रो-न्यूमेटिक अम्बिलिकल लिंक के रूप में कार्य करती है। गगनयान मिशन का मकसद दो से तीन सदस्यों वाले चालक दल को तीन दिन के मिशन के लिए 400 किमी की कक्षा में लॉन्च करना और भारतीय समुद्री जलीय क्षेत्र में उतरने की सुविधा देकर उन्हें सुरक्षित रूप से धरती पर वापस लाना है।

एजुकेशन हब में छात्रों के सुविधाओं की हकीकत वास्तविकता से परे

■ विशाल धर दुबे

- एक लाख से अधिक छात्र, सैकड़ों शिक्षण संस्थान
- फिर भी पीजी, परिवहन, सुरक्षा और सार्वजनिक सुविधाओं की कमी

हम शिक्षा को उद्योगों की आवश्यकताओं से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, एआई आधारित शिक्षण और कॉर्पोरेट सहयोग के माध्यम से छात्रों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी जा रही है **: स्वदेश कुमार सिंह, सीईओ, जीएनआईओटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, ग्रेटर नोएडा**

ग्रेटर नोएडा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा की पहचान अब केवल औद्योगिक शहर तक सीमित नहीं रही। पिछले डेढ़ दशक में यह शहर उत्तर भारत के सबसे बड़े एजुकेशन हब के रूप में उभरा है। नॉलेज पार्क-1,2,3 और 5 में स्थित विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में देश के लगभग हर राज्य के छात्र पढ़ रहे हैं। मेडिकल, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, लॉ, फार्मेसी और रिसर्च के क्षेत्र में ग्रेटर नोएडा तेजी से आगे बढ़ा है। नॉलेज पार्क, जगत फार्म, अल्फा, बीटा, गामा और आसपास के क्षेत्रों में छात्रों, अभिभावकों, पीजी संचालकों और स्थानीय लोगों से बात की तो सामने आया कि शिक्षा के मामले में तेजी से आगे बढ़ रहे इस शहर में छात्र सुविधाओं का विकास अभी भी पीछे है। कुछ अभिभावकों का कहना है कि पीजी संचालक मनमानी वसूली करते हैं, सुविधा के नाम पर पैसा लेते हैं, कुछ समय तक सुविधाएं ठीक रहती हैं उसके बाद बच्चे अपने आपको ठगा महसूस करते हैं।

छात्रों की पहली चुनौती घर से दूर दूसरा घर तलाशना

ग्रेटर नोएडा में पढ़ने आने वाले अधिकांश छात्र दूसरे राज्यों से हैं। कॉलेज में दाखिला मिल जाता है, लेकिन सुरक्षित और किफायती रहने की व्यवस्था ढूंढना आसान नहीं है। नॉलेज पार्क के आसपास पीजी और हॉस्टल की भरमार है, लेकिन इनके किराए लगातार बढ़ रहे हैं। कई छात्रों ने बताया कि एक कमरे का मासिक खर्च भोजन सहित 12 से 18 हजार रुपए तक पहुंच जाता है। नॉलेज पार्क में सनराईज हॉस्टल, रॉयल पैराडाईज, एमजी स्टे जैसे कई दर्जन पीजी चल रहे हैं, जो सुविधाओं का अंबार लगाकर रखे हैं, यहां आने वाला छात्र किफायती दर पर कैसे रहे। अवनीष सिंह, बीटेक छात्र बताते हैं कि माता-पिता पहले कॉलेज की फीस की चिंता करते हैं, लेकिन यहां आकर पता चलता है कि रहने और खाने का खर्च भी कम नहीं है। कई पीजी में साफ-सफाई और सुरक्षा का स्तर संतोषजनक नहीं है। एमबीए की छात्रा श्रेया पाण्डेय ने बताया कि अगर क्लास या प्रोजेक्ट के कारण देर हो जाए तो वापस पीजी पहुंचना चुनौती बन जाता है।

पीजी कारोबारी- दी जाती है सारी सुविधाएं, अवैध पीजी का बोलबाला

नॉलेज पार्क में पीजी संचालित करने वाले शुभम त्रिपाठी का कहना है कि सिर्फ किराए को देखकर तस्वीर नहीं समझी जा सकती। बिजली के बिल, डीजल जेनरेटर, स्टाफ, सीसीटीवी, हाउसकीपिंग, इंटरनेट और सुरक्षा पर हर महीने बड़ा खर्च होता है। फिर भी अधिकांश संचालक छात्रों को बेहतर सुविधा देने की कोशिश करते हैं। सस्ता के चक्कर में कई छात्र एक साथ मिलकर ग्रेटर नोएडा के सेक्टरों चल रहे पीजी में आकर रहते हैं, कुछ समय तक सुविधाएं अच्छी मिलती है उसके बाद छात्र पीजी संचालक से परेशान रहते हैं। ग्रेटर नोएडा के सेक्टरों में चल रहे कुछ अव्यवस्थित पीजी पूरे सेक्टर की छवि खराब कर रहे हैं। सेक्टर अल्फा, बीटा, गामा में चल रहे अवैध पीजी निवासियों के लिए परेशानी बन गया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अब अवैध पीजी संचालकों को नोटिस देना शुरु कर दिया है।

विश्वविद्यालय व कॉलेज संचालन का पक्ष

ग्रेटर नोएडा के एक प्रमुख निजी विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि हम लगातार स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी, एआई लैब, रिसर्च सेंटर, खेल सुविधाओं और छात्रावास क्षमता को बढ़ा रहे हैं। उद्योगों के साथ एमओयू किए जा रहे हैं ताकि छात्रों को पढ़ाई के दौरान ही इंटर्नशिप और रोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर के बाहर की व्यवस्थाएं स्थानीय प्रशासन और प्राधिकरण के दायरे में आती हैं, जिनमें और सुधार की आवश्यकता है।

अभिभावकों की सबसे बड़ी चिंता

बिहार के रहने वाले मुकेश रंजन का बेटा ग्रेटर नोएडा में पढ़ रहा है, उनका कहना है कि फीस तो पहले से पता होती है, लेकिन पीजी, भोजन, स्थानीय यात्रा और अन्य खर्च मिलाकर बजट काफी बढ़ जाता है। बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी हमेशा चिंता रहती है। क्योंकि आए दिन देखने को मिलता है कि कॉलेज के हास्टल व पीजी में घटनाएं घट रही हैं। प्रतापगढ़ की मंजू श्रीवास्तव का कहना है कि हर महीने हम बच्चों से पहले यही पूछते हैं कि वे सुरक्षित हैं या नहीं। शिक्षा के साथ सुरक्षित माहौल भी उतना ही जरूरी है।

इन सुविधाओं की छात्रों की है मांग

>>नॉलेज पार्क क्षेत्र में नियमित शटल बस सेवा।
>>छात्राओं के लिए देर रात सुरक्षित परिवहन।
>>पीजी और हॉस्टलों की गुणवत्ता की नियमित जांच।
>>24 घंटे संचालित सार्वजनिक पुस्तकालय एवं स्टडी सेंटर।
>>खेल और ओपन रिक्रिएशन स्पेस।

नॉलेज पार्क के लिए प्राधिकरण की भूमिका अहम

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण अब केवल जमीन आवंटित करने वाली संस्था नहीं रह सकता। जिस तरह शहर को उद्योगों के लिए विकसित किया गया, उसी तरह छात्रों की जरूरतों को ध्यान में रखकर भी योजनाएं बनानी होंगी। छात्र आवास नीति, सार्वजनिक परिवहन, साइनेज, स्ट्रीट लाइट, पैदल मार्ग, साइकिल ट्रैक और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना होगा। शिक्षा की राजधानी बनने की दौड़ में अब ग्रेटर नोएडा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह छात्रों को केवल डिग्री नहीं, बल्कि एक बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक छात्र जीवन भी दे सके।

फाइब्रॉइड सर्जरी की नई तकनीकों पर मंथन

ग्रेटर नोएडा, 13 जुलाई (देशबन्धु)। महिलाओं में तेजी से बढ़ रही फाइब्रॉइड की समस्या और उसके आधुनिक उपचार को लेकर यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा एक्सटेंशन में 'एंडो गायनी सर्जरी समिट 2026-फोकस फाइब्रॉइड्स' का आयोजन किया गया। इस एक दिवसीय अकादमिक सम्मेलन और हैंड्स-ऑन लैप्रोस्कोपिक स्यूचरिंग वर्कशॉप में 70 से अधिक लोगों ने भाग लिया जिसमें दिल्ली-एनसीआर के जाने-माने स्त्री रोग विशेषज्ञ, लैप्रोस्कोपिक सर्जन शामिल थे। कार्यक्रम में फाइब्रॉइड के इलाज में आ रही नई तकनीकों और कम चीरे वाली सर्जरी (मिनिमली इनवेसिव सर्जरी) पर विस्तार से चर्चा हुई।

सम्मेलन के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि आज रोबोटिक और लैप्रोस्कोपिक तकनीकों ने फाइब्रॉइड सर्जरी को पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित और सटीक बना दिया है। इन तकनीकों की मदद से मरीजों को कम दर्द होता है, खून भी ज्यादा नहीं निकलता है और अस्पताल में कम समय तक रहना पड़ता है। वे जल्दी सामान्य जीवन में लौट पाते हैं। साथ ही महिलाओं की प्रजनन क्षमता को सुरक्षित रखने में भी ये तकनीकें काफी प्रभावी साबित हो रही हैं। डॉ. प्रह्लाद अग्रवाल, सीओओ, यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा एक्सटेंशन ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए डॉक्टरों का लगातार नई तकनीकों से अपडेट रहना बेहद जरूरी है। इस तरह के अकादमिक कार्यक्रम न केवल विशेषज्ञों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाते हैं, बल्कि मरीजों को बेहतर और सुरक्षित उपचार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉ. ज्योति मिश्रा, डायरेक्टर एवं विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग तथा एडवांस गायनी लैप्रोस्कोपिक एवं रोबोटिक सर्जन ने कहा कि फाइब्रॉइड महिलाओं में होने वाली सबसे आम स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। आधुनिक लैप्रोस्कोपिक और रोबोटिक तकनीकों की मदद से अब जटिल मामलों का भी बेहतर इलाज संभव है। इस समिट का उद्देश्य डॉक्टरों को नई तकनीकों से परिचित कराना और उनके व्यावहारिक कौशल को और मजबूत बनाना था। रोबोटिक सर्जरी उन महिलाओं के लिए बहुत अच्छी है जिन्हें फाइब्रॉएड है और वे आगे चलकर माँ बनना चाहती हैं।

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

टाटा स्टील	2.09 प्रतिशत
इटरनल	1.55 प्रतिशत
इंडिगो	1.30 प्रतिशत
मारूति सुजुकी	1.11 प्रतिशत
अल्ट्राटेक	1.11 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,43,060
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,18,664
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.85	93.78
पौड स्टर्लिंग	130.15	125.57
यूरो	111.10	106.94
चीन युआन	15.01	13.28

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

जून में भारत का वस्तु निर्यात 15.5 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारत का वस्तु निर्यात (मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट) जून 2026 में सालाना आधार पर 15.5 प्रतिशत बढ़कर 40.41 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष जून 2025 में 34.98 अरब डॉलर था। यह जानकारी वाणिज्य मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों में दी गई। हालांकि, कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) और कीमती धातुओं की वैश्विक कीमतों में तेजी के कारण आयात में निर्यात की तुलना में अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसके चलते जून में वस्तु व्यापार घाटा (मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट) बढ़कर 30.43 अरब डॉलर हो गया।

आंकड़ों के अनुसार, आयात में 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 70.84 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष जून में यह 54.08 अरब डॉलर था। इसके कारण व्यापार घाटा जून 2025 के 19.10 अरब डॉलर से बढ़कर लगभग 59 प्रतिशत बढ़ते हुए 30.43 अरब डॉलर हो गया। हालांकि, मासिक आधार पर जून में निर्यात घटकर 40.41 अरब डॉलर रह गया, जबकि मई में यह 45.20 अरब डॉलर था। इसी तरह आयात भी मई के 73.41 अरब डॉलर से घटकर 70.84 अरब डॉलर पर आ गया। सरकार के अनुसार, आयात में तेज वृद्धि की मुख्य वजह कच्चे तेल और कीमती धातुओं, विशेष रूप से पेट्रोलियम तथा रत्न

- आयात में 31 प्रतिशत की हुई बढ़ोतरी
- पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स व रत्न-आभूषण क्षेत्रों में व्यापार घाटा बढ़ा

एवं आभूषण (जेम्स एंड ज्वेलरी) की वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी रही।

सरकार ने यह भी बताया कि पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा रत्न एवं आभूषण क्षेत्रों में व्यापार घाटा बढ़ा है। अधिकारियों के मुताबिक, देश में बढ़ती आय और तेजी से बढ़ रहे मध्यम वर्ग की मजबूत मांग के चलते इलेक्ट्रॉनिक सामानों का आयात लगातार बढ़ रहा है।

अप्रैल-जून तिमाही के दौरान, वैश्विक बाजारों में अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का कुल वस्तु निर्यात लगभग 15.9 प्रतिशत बढ़कर 129.32 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, खाड़ी देशों को भारत का निर्यात युद्ध-पूर्व स्तर पर लौट आया है। यह मार्च में 2.62 अरब डॉलर से बढ़कर मई में 5.3 अरब डॉलर हो गया। इसकी एक बड़ी वजह कारोबारियों द्वारा वैकल्पिक शिपिंग मार्गों का उपयोग करना रही। वहीं, अप्रैल और मई के दौरान अमेरिका को भारत का निर्यात बढ़कर 17.29 अरब डॉलर पहुंच गया।

भारत अन्य विकसित देशों के बाजारों तक अपनी पहुंच भी लगातार बढ़ा रहा है। ब्रिटेन (यूके) के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) इस महीने से लागू होने जा रहा है, जबकि यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ समझौते के अगले वर्ष की शुरुआत तक अंतिम रूप लेने की उम्मीद है।

भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार वार्ता सही दिशा में बढ़ रही आगे : वाणिज्य सचिव

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि भारत-अमेरिका के बीच चल रही द्विपक्षीय व्यापार वार्ता सही दिशा में आगे बढ़ रही है और यह समझौता दोनों देशों के लिए लाभकारी होगा। वाणिज्य सचिव ने कहा कि हमें बातचीत में कोई चुनौती नहीं दिख रही है और बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने आगे कहा, 'दोनों पक्ष सकारात्मक हैं। भारत-अमेरिका फ्रेमवर्क ट्रेड डील सही समय पर साइन किए जाने के लिए तैयार है। दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत हो रहे हैं, जिसमें अमेरिका से ऊर्जा आयात भी शामिल है। इस महीने की शुरुआत में, कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की बातचीत आखिरी दौर में है। अधिकतर अहम मुद्दों को सुलझा लिया गया है और दोनों पक्ष एक ऐसे समझौते पर काम कर रहे हैं जिससे नई दिल्ली को अपने प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले फायदा मिले। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वाशिंगटन में हाल के कानूनी और नीतिगत घटनाक्रमों के बावजूद उन्हें अमेरिका के साथ व्यापार समझौता पूरा करने में किसी बड़ी बाधा की उम्मीद नहीं है। गोयल ने कहा कि हमें अमेरिका के साथ कोई मुश्किल नहीं दिख रही है,' और साथ ही कहा कि 'रियायतों और अन्य पहलुओं को काफी हद तक अंतिम रूप दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले तरजीही बाजार पहुंच की मांग की है, और अमेरिकी प्रशासन ने इस बात को समझा है।

वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा भारत : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारत कम लागत वाली मैन्युफैक्चरिंग से आगे बढ़कर ग्लोबल स्तर पर मुकाबला करने के लिए क्षमताएं विकसित करने की दिशा में बढ़ रहा है। करेंसी की वैल्यू में गिरावट, व्यापार के लिए बेहतर पहुंच और सरकारी पूंजीगत खर्च में रिकॉर्ड बढ़ोतरी जैसे कारक इस सेक्टर में बड़े संरचनात्मक बदलाव को तेज कर सकता है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

कार्नेलियन एसेट मैनेजमेंट एंड एडवाइजर्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के पहले मैन्युफैक्चरिंग-केंद्रित फंड ने 2020 में अपनी शुरुआत के बाद से 32 प्रतिशत से अधिक सीएजीआर दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि मैन्युफैक्चरिंग 2.0 असल में हो रहा है और विकास का अगला चरण कई कारकों के एक साथ काम करने से आगे

- कई कारकों के एक साथ काम करने से आगे बढ़ेगा विकास का अगला चरण

बढ़ेगा। फर्म ने इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सर्विस, डिफेंस एक्सपोर्ट, फार्मा और सीडीएमओ एक्सपोर्ट, ऑटो एंसिलरी और टेक्सटाइल व कपड़ों के क्षेत्र में बड़े अवसरों की ओर इशारा किया। रिपोर्ट में इस क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने वाले कारकों, जैसे रुपए की वास्तविक गिरावट और बेहतर व्यापार पहुंच पर प्रकाश डाला। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले तीन दशकों में भारतीय रियल इफेक्टिव एक्सचेंज रेट (आरईईआर) में हर बड़ी गिरावट के दौरान निर्यात में बढ़ोतरी देखी गई है।

अमेरिका-ईरान में संघर्ष बढ़ने से सोने-चांदी में बिकवाली

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका-ईरान में संघर्ष बढ़ने से सोने और चांदी में सोमवार को बिकवाली देखने को मिली है। इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब 2 प्रतिशत तक कम हो गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 5 अगस्त 2026 के कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,43,478 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 845 रुपए या 0.58 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,42,633 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

सुबह 9:48 पर यह 1,414 रुपए या 0.99 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,42,064 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,41,557 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,43,478 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है।

सोने के साथ चांदी में भी गिरावट देखने को मिली। चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,22,664 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 4,016 रुपए या 1.80 प्रतिशत की मुकाबले 2,18,648 रुपए प्रति किलो पर खुला। चांदी ने अब तक के कारोबार में 2,17,277 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,22,664 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में कमजोरी देखी जा रही है।

शुरुआती गिरावट से उबरे शेयर बाजार

- सेंसेक्स 0.06 प्रतिशत चढ़कर 77,616.40 अंक पर रहा
- निफ्टी 0.02 प्रतिशत की बढ़त में 24,211 अंक पर रहा

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। आईटी कंपनियों में लिवाली के दम पर घरेलू शेयर बाजार सोमवार को शुरुआती गिरावट से उबरते हुए अंत में मामूली बढ़त में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स सुबह 604 अंक नीचे खुला था। हालांकि दोपहर बाद हुई लिवाली से यह 47.01 अंक (0.06 प्रतिशत) चढ़कर 77,616.40 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 4.10 अंक (0.02 प्रतिशत) की बढ़त में 24,211 अंक पर रहा।

मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.17 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.03 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ।

निफ्टी आईटी की 3.59 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी के अलावा मीडिया, ऑटो और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में भी अच्छी तेजी देखी गयी। वहीं, एफएमसीजी, धातु और रसायन समूहों में गिरावट रही।

सेंसेक्स की कंपनियों में टीसीएस का शेयर करीब साढ़े पांच प्रतिशत और एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर पांच प्रतिशत चढ़ा। टेक महिंद्रा और इंफोसिस में तीन से साढ़े चार प्रतिशत की तेजी रही। एनटीपीसी का शेयर दो प्रतिशत चढ़ा। कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर पौने दो फीसदी से अधिक की बढ़त में रहा। पावरग्रिड, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक और टाइटन में भी तेजी रही। टाटा स्टील का शेयर दो प्रतिशत टूट गए।

सार संक्षेप

रुपया शुरुआती कारोबार में 36 पैसे टूटा

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से डॉलर की तुलना में रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट में रहा। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में भारतीय मुद्रा फिलहाल 36 पैसे नीचे 95.74 रुपए प्रति डॉलर पर है। पिछले कारोबारी दिवस पर यह 95.38 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपया आज 34 पैसे उतरकर 95.72 रुपए प्रति डॉलर पर खुला। यह ऊपर 95.66 रुपए और नीचे 95.77 रुपए प्रति डॉलर तक गया। खबर लिखे जाते समय यह 95.74 रुपए प्रति डॉलर पर था। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में उछाल आया है जिससे रुपया कमजोर हुआ है। लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा फिलहाल चार प्रतिशत चढ़कर 79 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर है। अमेरिका ने गत सप्ताहांत ईरान पर मिसाइल हमले किए। इसके बाद ईरान ने भी खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

भारत में विदेशी निवेशकों की बिकवाली का दौर खत्म

मुंबई। भारत में विदेशी निवेशकों की बिकवाली का दौर करीब समाप्त हो गया है और विदशी निवेशकों की कम हिस्सेदारी और मजबूत घरेलू आधार के चलते भारतीय इक्विटी बाजार के लिए धारणा सकारात्मक बनी हुई है। यह जानकारी गोल्डमैन सैश के विश्लेषकों ने जुलाई में अपनी इंडिया स्ट्रैटेजी नोट में दी। गोल्डमैन सैक्स में एशिया मैक्रो रिसर्च के को-हेड और एशिया-पैसिफिक इक्विटी स्ट्रैटेजिस्ट टिमोथी मो ने अमोरिता गोयल और सुनील कौल के साथ लिखे नोट में कहा है कि निफ्टी जून 2027 तक बढ़कर 26,500 के स्तर पर जा सकता है, जो कि मौजूदा स्तरों से 10 प्रतिशत अधिक है। नोट में कहा गया कि जुलाई का आउटलुक मई 2026 के उनके रुख से बिल्कुल अलग है, जब उन्हें उत्तर एशिया के दूसरे देशों के मुकाबले भारतीय इक्विटी में रिस्क-रिवॉर्ड का समीकरण 'कम आकर्षक' लगा था। इसके अलावा, उन्हें यह उम्मीद नहीं थी कि विदेशी निवेशक जल्द ही भारतीय बाजार में लौटेंगे, भले ही तेल की कीमतें कम हो जाएं।

इंडिगो, अकॉर के ग्राहक दोनों जगह भुना सकेंगे अपने लॉयल्टी प्वांइट्स

नई दिल्ली। देश की प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो और वैश्विक आतिथ्य कंपनी अकॉर के ग्राहक अपने लॉयल्टी प्वाइंट दोनों जगह बुकिंग के लिए भुना सकेंगे। दोनों कंपनियों के लॉयल्टी प्रोग्राम ने इसके लिए सोमवार को एक समझौता किया। इंडिगो ब्लूचिप और बुकिंग प्लेटफॉर्म ऑल अकॉर के बीच हुए इस समझौते के तहत दोनों लॉयल्टी प्रोग्राम के सदस्य अपने लॉयल्टी पॉइंट्स का पारस्परिक आदान-प्रदान कर सकेंगे। अब सदस्य होटल में ठहरने या हवाई यात्रा सेवाओं के लिए दोनों साझेदारों के ऑफरों के तहत रिवॉर्ड पॉइंट्स कमा या भुना सकेंगे। देश में पहली बार इस तरह का कोई समझौता किया गया है।

भारत-स्पेन के बीच व्यापार व निवेश बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को मैड्रिड में स्पेन के अर्थव्यवस्था मंत्री कार्लोस कुएर्पो से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

अपने 3 देशों के दौरे के तहत स्पेन में आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच भारत-स्पेन आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग बढ़ाने पर सार्थक चर्चा हुई। बातचीत का मुख्य फोकस नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, उन्नत विनिर्माण (एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग), डिजिटल प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचा और नवाचार जैसे क्षेत्रों पर रहा।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों पक्षों ने भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर भी विचार-विमर्श किया और स्पेन के साथ भारत के व्यापारिक सहयोग को और व्यापक बनाने के उपायों पर चर्चा की।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को जल्द लागू करने की दिशा में प्रयास तेज होने के बीच वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल सोमवार को एक उच्चस्तरीय कारोबारी

- ईयू एफटीए को जल्द अंतिम रूप देने पर हुई चर्चा
- यूरोप के साथ भारत की आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करना उद्देश्य

प्रतिनिधिमंडल के साथ स्पेन, बेल्जियम और फिनलैंड की पांच दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए।

13 से 17 जुलाई तक चलने वाली इस यात्रा का उद्देश्य यूरोप के साथ भारत की आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करना है। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस दौरान व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार और सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

स्पेन में अपने दौरे के दौरान पीयूष गोयल की अर्थव्यवस्था मंत्री कार्लोस कुएर्पो, उद्योग एवं पर्यटन मंत्री जोर्डी हेरेउ बोहेर तथा विदेश, यूरोपीय संघ और सहयोग मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस बुएनो के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी प्रस्तावित हैं। इसके अलावा, गोयल भारत-स्पेन बिजनेस राउंडटेबल की अध्यक्षता भी करेंगे, जिसमें स्पेन की प्रमुख कंपनियां और उद्योग संगठन हिस्सा लेंगे। इस बैठक का उद्देश्य भारत में उपलब्ध निवेश के अवसरों को प्रदर्शित करना और दोनों देशों के उद्योग जगत के बीच बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) साझेदारी को बढ़ावा देना है। इस वर्ष फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी में स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ के साथ द्विपक्षीय बैठक की थी। उस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, डिजिटल प्रौद्योगिकी, नवाचार, जलवायु परिवर्तन से निपटने और शिक्षा सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की थी। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-यूरोपीय संघ संबंधों को मजबूत बनाने के लिए स्पेन के लगातार समर्थन की भी सराहना की।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के आईपीओ से बाजार में बढ़ेगा भरोसा : मिश्रा

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की सहायक कंपनी एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी देबाशीष मिश्रा ने सोमवार को कहा कि कंपनी के 14 जुलाई को आ रहे प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से बाजार में निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा।

श्री मिश्रा ने कहा कि कंपनी पूंजी की जरूरत पूरी करने के लिए आईपीओ नहीं ला रही है। कंपनी परिसंपत्ति के प्रबंधन के कारोबार में है और उसे पूंजी की आवश्यकता नहीं है। यह आईपीओ बाजार में भरोसा कायम करने के लिए है।

उन्होंने कहा, 'हम बाजार को गति देना चाहते हैं और इसलिए हम बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी परिसंपत्ति प्रबंध कंपनियां पहले से शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं और इसलिए एसबीआई फंड मैनेजमेंट के लिए यह अगले चरण में प्रवेश की स्वाभाविक प्रक्रिया है। कंपनी का आईपीओ 14 से 16 जुलाई तक खुला रहेगा। आईपीओ के लिए शेयरों के मूल्य का दायरा 545 रुपए

- 4 से 16 जुलाई तक खुला रहेगा कंपनी का आईपीओ

से 574 रुपए के बीच रखा गया है।

कंपनी ने आईपीओ से पहले 30 बड़े निवेशकों को प्राथमिकता के आधार पर 3.27 करोड़ से अधिक शेयरों का आवंटन कर 1,880 करोड़ रुपए की पूंजी जुटाई है। इनमें व्हाइट ओक कैपिटल, 3पी इंडिया, बेनेट कोलमैन, टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस और अन्य निवेशक शामिल हैं। ये आवंटन 574 रुपए प्रति इक्विटी शेयर के हिसाब से आवंटित किए गए हैं।

प्राथमिकता के आधार पर आवंटन के बाद आईपीओ में अब एक रुपये अंकित मूल्य वाले 17,09,56,631 शेयर बोली लगाने के लिए उपलब्ध होंगे। निवेशक कम से कम 26 शेयरों के लिए और उसके बाद 26 के गुणांक में बोली लगा सकेंगे।

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने दुर्गापुर स्टील प्लांट का किया दौरा

दुर्गापुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर स्टील प्लांट में व्हील एंड एक्सल प्लांट का दौरा किया। केंद्रीय मंत्री ने प्लांट को भारतीय रेलवे के रोलिंग स्टॉक इकोसिस्टम की रीढ़ बताया।

केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर लिखा कि मैंने दुर्गापुर स्टील प्लांट में 'व्हील एंड एक्सल प्लांट' का दौरा किया। यह एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सुविधा है, जो भारतीय रेलवे के रोलिंग स्टॉक इकोसिस्टम की रीढ़ है। फोर्ज्ड रेलवे व्हील बनाने वाले देश के एकमात्र उत्पादक के तौर पर यह प्लांट लोकोमोटिव, कोच, एलएचबी कोच और नई पीढ़ी की वंदे भारत ट्रेनसेट के लिए पहिए और एक्सल बनाता है। यह रेलवे मैन्युफैक्चरिंग में भारत की आत्मनिर्भरता की यात्रा को काफी आगे बढ़ाता है।'

एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि इस सुविधा की उल्लेखनीय प्रगति भारत की बढ़ती निर्माण ताकत और विश्वस्तरीय औद्योगिक क्षमताएं

- व्हील एंड एक्सल प्लांट को बताया रेलवे की रीढ़

बनाने के हमारे संकल्प को दर्शाती है, जो देश के ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती देती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत करने, भारतीय रेलवे का समर्थन करने और आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित भारत के विजन को गति देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। केंद्रीय मंत्री ने एक अन्य एक्स पोस्ट में लिखा कि मैंने दुर्गापुर स्टील प्लांट के स्टील मेल्टिंग शॉप (एसएमएस) का दौरा किया।

इनविट्स के जरिए एसेट मोनेटाइजेशन की तैयारी में रोड इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियां : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की रोड इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियां वित्त वर्ष 2026-27 में इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट्स) के माध्यम से करीब 40,000 करोड़ रुपए की एसेट मोनेटाइजेशन करने की तैयारी में हैं, जिसका उद्देश्य पूंजी (कैपिटल) जुटाना, कर्ज का बोझ कम करना और भविष्य के विस्तार के लिए वित्तीय संसाधन जुटाना है।

ब्रिकवर्क रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस वित्तीय वर्ष के दौरान सड़क क्षेत्र में सरकार के निरंतर निवेश के दम पर करीब 10,000 किलोमीटर नए हाईवे, एक्सप्रेसवे और हाई-स्पीड कॉरिडोर परियोजनाओं के आवंटन का भी लक्ष्य रखा गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2027 के दौरान सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की क्रेडिट प्रोफाइल स्थिर बनी रहने की उम्मीद है, जिसकी प्रमुख वजह मजबूत टोल कलेक्शन, परियोजनाओं की स्वस्थ पाइपलाइन और नए

- पूंजी जुटाना, कर्ज का बोझ कम करना व भविष्य के विस्तार के लिए वितीय संसाधन जुटाना उद्देश्य

वित्तपोषण मॉडलों को तेजी से अपनाया जाना है। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2027 में इस क्षेत्र की आय (रेवेन्यू) में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है, जबकि वित्त वर्ष 2026 में यह वृद्धि 7.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। वहीं, ऑपरेटिंग मार्जिन भी 24.3 प्रतिशत से बढ़कर 25.1 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इसका मुख्य कारण परियोजनाओं का तेजी से क्रियान्वयन और कच्चे माल की लागत में कमी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टील और बिटुमेन की कीमतों में गिरावट तथा पहले से चल रही परियोजनाओं के तेजी से पूरा होने से कंपनियों की लाभप्रदता (प्रॉफिटेबिलिटी) को समर्थन मिलेगा। साथ ही, चालू हाईवे पर वाहनों की बढ़ती आवाजाही (ट्रैफिक) से भी कंपनियों की आय बढ़ेगी, जिससे तय लागत (फिक्स्ड कॉस्ट) अधिक राजस्व पर बंट जाएगी और परिचालन क्षमता में सुधार होगा।

हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भुगतान में देरी और परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं के चलते बेहतर कमाई के बावजूद कर्ज चुकाने की क्षमता (डेट सर्विसिंग) अभी भी एक बड़ी चुनौती बनी रहेगी। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 और वित्त वर्ष 2027 के दौरान डेट सर्विस कवरेज रेशियो लगभग 0.5 गुना रहने का अनुमान है।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद
जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नहीं रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नहीं रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नहीं कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नहीं जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049
हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

भाटिया के शतक और गेंदबाजों के दम पर भारत ने लॉर्ड्स में मचाया तहलका

इंग्लैंड को 270 रन से हराकर भारत ने जीता पहला महिला टेस्ट

● लंदन / (एजेंसी)

यास्तिका भाटिया के शानदार शतक, स्मृति मंधाना के दोनों पारियों में अर्धशतक और भारतीय गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ने लॉर्ड्स में खेले गए पहले महिला टेस्ट में इंग्लैंड को 270 रन से हराकर इतिहास रच दिया। भारतीय महिला टीम की यह जीत क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित मैदान लॉर्ड्स पर दर्ज पहली टेस्ट जीत है।

भारत ने पहली पारी में 285 रन बनाए। स्मृति मंधाना (83), हरमनप्रीत कौर (58) और दीप्ति शर्मा (57) की उपयोगी पारियों की मदद से टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंची। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 170 रन पर सिमट गई। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने पांच विकेट लेकर लॉर्ड्स के ऑनर बोर्ड में अपना नाम दर्ज कराया, जबकि भारत को 115 रन की महत्वपूर्ण बढ़त मिली। दूसरी पारी में भारतीय बल्लेबाजों ने इंग्लैंड की वापसी की सभी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। स्मृति मंधाना ने 70 रन बनाए, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज़ यास्तिका भाटिया ने 113 रन की यादगार शतकीय पारी खेली। ऋचा घोष ने नाबाद 50 रन जोड़कर भारत को 341/7 पर पारी घोषित करने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने इंग्लैंड के सामने 457 रन का कठिन लक्ष्य रखा। इंग्लैंड की ओर से सोफी एक्लेस्टोन ने पांच विकेट लेकर संघर्ष किया, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सकीं। 457 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। पहली पारी के हीरो क्रांति गौड़ ने दूसरी पारी में भी शुरुआती झटके दिए, जबकि स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा और सयाली सतघरे ने लगातार विकेट निकालकर मेजबान टीम पर दबाव बनाए रखा। एमी जोन्स (54) और सोफी एक्लेस्टोन (50) ने कुछ देर संघर्ष किया, लेकिन भारतीय गेंदबाज़ों के सामने इंग्लैंड की दूसरी पारी 186 रन पर सिमट गई। मैच के चौथे दिन भारत को जीत के लिए चार विकेट की जरूरत थी। स्नेह राणा ने दिन की शुरुआत में एमी जोन्स को आउट कर इंग्लैंड की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया। इसके बाद दीप्ति शर्मा ने दो महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। एक्लेस्टोन ने अर्धशतक बनाकर संघर्ष जारी रखा, लेकिन राणा ने उन्हें बोल्ड कर इंग्लैंड की अंतिम उम्मीद भी समाप्त कर दी और भारत ने 270 रन की ऐतिहासिक जीत अपने नाम कर ली।

संक्षिप्त स्कोर

भारत

285 और 341/7 घोषित

(यास्तिका भाटिया 113, स्मृति मंधाना 70, ऋचा घोष नाबाद 50, सोफी एक्लेस्टोन 5/118)

इंग्लैंड

170 और 186

(एमी जोन्स 54, सोफी एक्लेस्टोन 50, स्नेह राणा 4/42)

भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ी उपलब्धि

इस जीत के साथ भारत ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में शानदार प्रदर्शन किया। यास्तिका भाटिया ने शतक और क्रांति गौड़ ने पहली पारी में पांच विकेट लेकर लॉर्ड्स के प्रतिष्ठित ऑनर बोर्ड में जगह बनाई। वहीं स्मृति मंधाना ने अपने 300वें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को दोनों पारियों में अर्धशतक लगाकर यादगार बना दिया। पुरुष टीम के निराशाजनक इंग्लैंड दौरे के बीच भारतीय महिला टीम की यह ऐतिहासिक जीत भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में टीम ने साबित कर दिया कि वह विदेशी सरजमीं पर भी दुनिया की मजबूत टीमों को हराने का दम रखती है।

▶ फ्रांस और स्पेन के बीच सेमीफाइनल मुकाबले पर दुनिया की निगाहें

फीफा महायुद्ध: एम्बाप्पे बनाम यामाल किसके नाम होगा फाइनल का टिकट

● डलास / (एजेंसी)

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का पहला सेमीफाइनल फुटबॉल की दो महाशक्तियों फ्रांस और स्पेन के बीच खेला जाएगा। 15 जुलाई को अमेरिका के डलास में होने वाले इस महामुकाबले में दांव सिर्फ फाइनल का टिकट नहीं, बल्कि विश्व फुटबॉल में वर्चस्व की लड़ाई भी होगी। एक तरफ फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर कीलियन एम्बाप्पे हैं, तो दूसरी ओर स्पेन के 19 वर्षीय युवा सनसनी लैमिन यामाल। दोनों खिलाड़ियों की टक्कर इस मुकाबले का सबसे बड़ा आकर्षण मानी जा रही है।

दोनों टीमों ने दमदार अंदाज में बनाई सेमीफाइनल में जगह

फ्रांस ने क्वार्टर फाइनल में मोरक्को को 2-0 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया, जबकि स्पेन ने बेल्जियम को 2-1 से मात देकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। पूरे टूर्नामेंट में दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया है और खिताब की सबसे मजबूत दावेदारों में शामिल हैं।

एम्बाप्पे–यामाल: सुपरस्टार वर्सेस नई सनसनी की जंग

फ्रांस की सबसे बड़ी ताकत कीलियन एम्बाप्पे हैं। उनकी रफ्तार, फिनिशिंग और बड़े मैचों में प्रदर्शन करने की क्षमता फ्रांस की सबसे बड़ी उम्मीद है। एम्बाप्पे ने इस विश्व कप में अब तक 8 गोल दागे हैं और उस्मान डेम्बेले के साथ मिलकर फ्रांस के आक्रमण को बेहद घातक बना दिया है। वहीं, स्पेन के युवा स्टार लैमिन यामाल अपनी तेज रफ्तार, शानदार ड्रिब्लिंग और बेहतरीन क्रिएटिविटी से विपक्षी डिफेंस के लिए लगातार चुनौती बने हुए हैं। कम उम्र में उनका प्रदर्शन उन्हें टूर्नामेंट के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में शामिल कर चुका है।

किसका पलड़ा भारी?

फ्रांस के पक्ष में सबसे बड़ा हथियार उसका अनुभव है। 2018 का विश्व चैंपियन और 2022 का उपविजेता फ्रांस दबाव वाले मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। तेज काउंटर अटैक, मजबूत ट्रांजिशन और अनुभवी डिफेंस उसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। दूसरी ओर, स्पेन अपनी सटीक पासिंग, शानदार बॉल पजेशन और अनुशासित डिफेंस के दम पर पूरे टूर्नामेंट में प्रभावशाली रहा है। स्पेन लंबे समय तक गेंद अपने कब्जे में रखकर विरोधी टीम की लय बिगाड़ने में माहिर है। कागजों पर दोनों टीमें लगभग बराबरी की दिखाई देती हैं। फ्रांस के पास अनुभव और आक्रामक ताकत है, जबकि स्पेन की सबसे बड़ी ताकत उसकी सामूहिक खेल शैली और युवा खिलाड़ियों का जोश है।

हेड-टू-हेड में स्पेन आगे

फ्रांस और स्पेन के बीच अब तक 38 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें स्पेन का रिकॉर्ड बेहतर रहा है। दोनों टीमों की पिछली भिड़ंत 2025 यूफा नेशंस लीग के सेमीफाइनल में हुई थी, जहां स्पेन ने रोमांचक मुकाबले में फ्रांस को 5-4 से हराया था। उस मैच में लैमिन यामाल ने दो गोल कर जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

कुल मैच	38
स्पेन की जीत	18
फ्रांस की जीत	13
ड्रॉ	7

विश्व कप में 20 साल बाद फिर आमना-सामना

फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में फ्रांस और स्पेन अब तक सिर्फ एक बार भिड़े हैं। 2006 विश्व कप के राउंड ऑफ-16 में फ्रांस ने स्पेन को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। करीब दो दशक बाद दोनों टीमें फिर विश्व कप के मंच पर आमने-सामने होंगी। इस बार स्पेन के पास 2006 की हार का हिसाब बराबर करने का मौका होगा, जबकि फ्रांस लगातार तीसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंचने का सपना साकार करना चाहेगा।

एजबेस्टन में फिर भिड़ेंगे भारत-इंग्लैंड

वनडे सीरीज का पहला मैच आज दोपहर 3.30 बजे से

● बर्मिंघम / (एजेंसी)

भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला मंगलवार (14 जुलाई) को एजबेस्टन, बर्मिंघम में खेला जाएगा। भारतीय समयानुसार मैच दोपहर 3.30 बजे शुरू होगा। दोनों टीमें टी20 सीरीज के बाद अब 50 ओवर के प्रारूप में अपनी ताकत दिखाने उतरेंगी।

भारत हालिया वनडे फॉर्म में शानदार लय में नजर आ रहा है। टीम ने जून 2026 में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज 3-0 से अपने नाम की थी। वहीं इंग्लैंड ने जनवरी 2026 में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी। ऐसे में दोनों टीमें जीत के साथ सीरीज का आगाज करना चाहेंगी।

भारत का पलड़ा भारी

भारत का हालिया रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाफ काफी मजबूत रहा है। दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले पांच वनडे मुकाबलों में भारत ने सभी मैच जीते हैं। फरवरी 2025 की वनडे सीरीज में भारतीय टीम ने इंग्लैंड का पूरी तरह दबदबा बनाते हुए क्लीन स्वीप किया था। ऐसे में मेहमान टीम आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी।

ऐसा रहेगा पिच का मिजाज

एजबेस्टन की पिच आमतौर पर बल्लेबाजों के लिए मददगार मानी जाती है, हालांकि शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को भी स्विंग मिलने की संभावना रहती है। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम परिस्थितियों को देखते हुए पहले गेंदबाजी का फैसला कर सकती है। दो मजबूत टीमों के बीच होने वाला यह मुकाबला रोमांच से भरपूर रहने की उम्मीद है। भारत जहां अपने विजयी अभियान को जारी रखना चाहेगा।

इन खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें...

भारतीय टीम की बल्लेबाजी की जिम्मेदारी अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा पर होगी। विराट ने अपने पिछले सात वनडे मैचों में 616 रन बनाए हैं, जबकि रोहित शर्मा ने 10 मैचों में 471 रन जोड़े हैं। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा भारत के प्रमुख हथियार होंगे। इंग्लैंड की उम्मीदें जो रूट और कप्तान हैरी ब्रूक के बल्ले पर टिकी रहेंगी। रूट ने पिछले 10 वनडे में 495 रन बनाए हैं, जबकि ब्रूक के नाम 433 रन दर्ज हैं। गेंदबाजी विभाग में अनुभवी स्पिनर आदिल रशीद और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारतीय बल्लेबाजों के लिए चुनौती पेश कर सकते हैं।

---

18 साल बाद टूटा आईपीएल का सबसे सफल रिश्ता...

सीएसके से अलग हुए स्टीफन फ्लेमिंग

● चेन्नई / (एजेंसी)

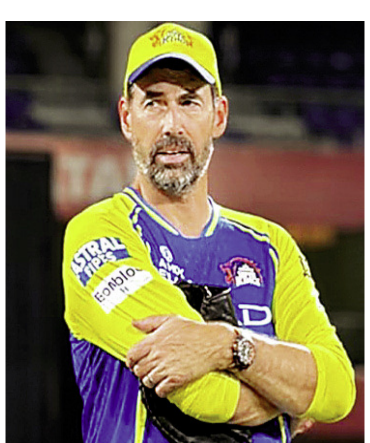

चेन्नई सुपर किंग्स और मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने आपसी सहमति से अपनी 18 साल पुरानी साझेदारी समाप्त कर दी है। इसके साथ ही इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास की सबसे सफल और सबसे लंबे समय तक चली कोच-फ्रेंचाइजी साझेदारियों का अंत हो गया।

2008 में खिलाड़ी के रूप में ष्टस्य से जुड़े फ्लेमिंग ने 2009 में मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाली। उनके नेतृत्व में चेन्नई सुपर किंग्स ने 5 आईपीएल खिताब, 2 चैंपियंस लीग टी20 ट्रॉफियां जीतीं, 12 बार प्लेऑफ में जगह बनाई और 10 आईपीएल फाइनल खेले। इस दौरान सीएसके लीग की सबसे सफल और निरंतर प्रदर्शन करने वाली टीमों में शामिल रही। फ्रेंचाइजी की मालिक रूपा गुरुनाथ ने कहा कि फ्लेमिंग लगभग दो दशकों तक टीम की कोचिंग इकाई की धडक़न रहे। उन्होंने सीएसके की पहचान, कार्यसंस्कृति और उत्कृष्टता की परंपरा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उन्होंने उनके समर्पण, नेतृत्व और योगदान के लिए आभार जताते हुए कहा कि फ्लेमिंग हमेशा सुपर किंग्स परिवार की विरासत का अभिन्न हिस्सा रहेंगे।

विदाई के मौके पर हुए भावुक

विदाई के मौके पर स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि खेल की दुनिया में 18 साल एक पूरा जीवनकाल होते हैं। उन्होंने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बिताया गया समय उनके कोचिंग करियर का सबसे बड़ा सम्मान रहा। फ्लेमिंग ने कहा कि टीम के साथ मिली सफलताएं, संघर्ष और यादगार पल हमेशा उनके दिल में रहेंगे तथा वह भविष्य में भी सीएसके का समर्थन करते रहेंगे।

खेल मंत्री सारंग ने घुड़सवारी अकादमी का किया निरीक्षण

खेल सुविधाओं और निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय इंडोर एरीना का लिया जायजा

● भोपाल / (एजेंसी)

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को भोपाल स्थित मध्यप्रदेश राज्य घुड़सवारी अकादमी का निरीक्षण कर प्रशिक्षण, खेल सुविधाओं और निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय इंडोर एरीना का जायजा लिया।

समीक्षा बैठक में उन्होंने खिलाड़ियों की प्रोफाइल तैयार करने, अकादमी की उपलब्धियों का दस्तावेज बनाने तथा पे एंड प्ले योजना के माध्यम से आम नागरिकों को घुड़सवारी से जोडऩे के निर्देश दिए। मंत्री सारंग ने कहा कि उत्कृष्ट अधोसंरचना, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और योजनाबद्ध प्रयासों के माध्यम से मध्यप्रदेश को घुड़सवारी के क्षेत्र में देश की अग्रणी पहचान दिलाई जाए। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगे।

2030 फीफा वर्ल्ड कप में खेलेंगी 64 टीमें...

फीफा अध्यक्ष ने दिए विस्तार के संकेत

● नई दिल्ली/ (एजेंसी)

फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा वर्ष 2030 पुरुष वर्ल्ड कप में टीमों की संख्या बढ़ाकर 64 करने के प्रस्ताव पर विचार करेगी। हालांकि इस पर अंतिम फैसला 2026 फीफा वर्ल्ड कप के समापन के बाद लिया जाएगा।फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने स्विस मीडिया से बातचीत में कहा कि 2026 वर्ल्ड कप का 48 टीमों वाला नया प्रारूप पूरी तरह सफल रहा है। इसी अनुभव के आधार पर 2030 वर्ल्ड कप में 64 टीमों को शामिल करने के प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। 2030 फीफा वर्ल्ड कप पहले ही ऐतिहासिक होने जा रहा है।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)	
दिन	रात
369 = 8	130 = 4
378 = 8	155 = 1
शुभांक	
दिन	रात
124 = 7	799 = 5
220 = 4	128 = 1
भाग्यांक	
3 4	6 8

www.kalyangame.com

नई शुरुआत गुरुग्राम में दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली के रेस्टोरेंट वन8 कम्यून में की गई ब्रांड एक्वॉन की लॉन्चिंग

चहल और इशांत बने बिजनेस पार्टनर, लॉन्च किया एनर्जी ड्रिंक

● गुरुग्राम / (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने खेल के बाद अब बिजनेस की दुनिया में कदम रखा है। दोनों खिलाडिय़ों ने मिलकर एनर्जी ड्रिंक ब्रांड एक्वॉन लॉन्च किया है। इसकी लॉन्चिंग गुरुग्राम के सेक्टर-43 स्थित गोल्फ कोर्स रोड पर क्रिकेटर विराट कोहली के रेस्टोरेंट वन8 कम्यून में हुई।

हरियाणा के जींद जिले के रहने वाले युजवेंद्र चहल और दिल्ली के इशांत शर्मा लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट टीम और आईपीएल में साथ खेल चुके हैं। इस साल चहल पंजाब किंग्स और इशांत शर्मा दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा रहे। लॉन्चिंग कार्यक्रम में खेल प्रेमियों और कई मेहमानों ने हिस्सा लिया। इस दौरान चहल ने बताया कि एक्वॉन को किसी खास उम्र या वर्ग तक सीमित नहीं रखा गया है। इसे हर उम्र के लोग इस्तेमाल कर सकते हैं।

क्रिकेट से बिजनेस तक का सफर

युजवेंद्र चहल और इशांत शर्मा भारतीय टीम के अलावा आईपीएल में भी साथ खेल चुके हैं। दोनों का यह नया बिजनेस वेंचर बताता है कि क्रिकेटर्स अब खेल के साथ-साथ हेल्थ और बिजनेस सेक्टर में भी सक्रिय हो रहे हैं।

शुगर कंट्रोल पर दिया जोर

चहल ने कहा कि आमतौर पर एनर्जी ड्रिंक्स में ज्यादा शुगर को लेकर सवाल उठते हैं। इस प्रोडक्ट में शुगर की मात्रा को नियंत्रित रखा गया है और इसे फिटनेस को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इशांत शर्मा ने कहा कि उनका पूरा फोकस मार्केटिंग से ज्यादा एक बेहतर और गुणवत्तापूर्ण प्रोडक्ट तैयार करने पर रहा है।

कोहली भी कर चुके हैं बिजनेस में निवेश

इससे पहले विराट कोहली ने हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में वन8 कम्यून रेस्टोरेंट चेन शुरू की थी। इसके आउटलेट दिल्ली, मुंबई, पुणे, कोलकाता और गुरुग्राम समेत कई शहरों में मौजूद हैं। इसके अलावा विराट ने स्पोर्ट्स और फैशन क्षेत्र में भी कदम रखा है। उन्होंने प्यूमा के साथ मिलकर वन8 ब्रांड के तहत स्पोर्ट्स शूज, स्नीकर्स और एथलीजर कलेक्शन लॉन्च किए हैं।

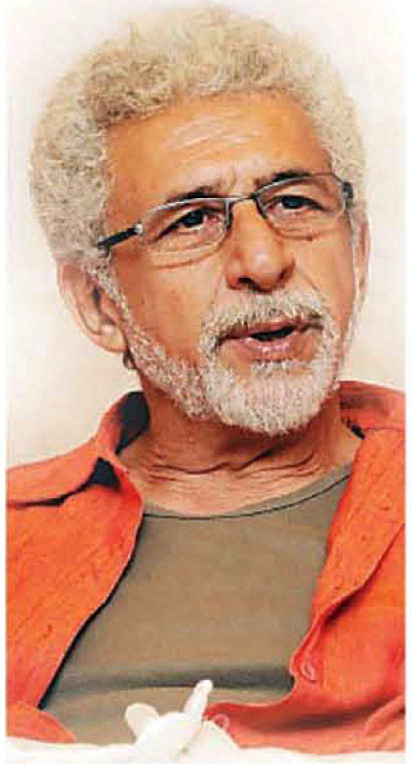

एक्शन ड्रामा फिल्म 'ओम' में धनुष के साथ नजर आएंगे नसीरुद्दीन शाह

दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह अपनी नई रिलीज हुई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। इस बीच खबर है कि वह धनुष की अपकमिंग एक्शन ड्रामा फिल्म 'ओम' में नजर आने वाले हैं। वह आधिकारिक तौर पर इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गए हैं, जिससे 26 साल बाद तमिल सिनेमा में उनकी वापसी हो रही है। यह एक बड़े बजट का प्रोडक्शन है जिसे दो-भागों वाली एक्शन ड्रामा फिल्म के तौर पर बनाया जा रहा है। इसका निर्देशन राजकुमार पेरियासामी कर रहे हैं, जिन्हें 'अमरन' के लिए काफी तारीफें मिली थीं।

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर नसीरुद्दीन शाह की एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा 'ओम की दुनिया में एक दमदार एंट्री। दिग्गज नसीरुद्दीन इस मेगा फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। 16 अक्टूबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आ रही है।'

20 साल पहले तमिल में किया था काम

आपको बता दें कि नसीरुद्दीन शाह ने कमल हासन की फिल्म 'हे राम' (2000) में शाहरुख खान के साथ महात्मा गांधी की भूमिका निभाई थी। यह उनकी आखिरी तमिल फिल्म थी।

फिल्म से जुड़ सकते हैं ममूटी

नसीरुद्दीन शाह के जुड़ने से अब 'ओम' की कास्ट काफी मजबूत हो गई है, जिसमें धनुष मुख्य भूमिका में हैं। साई पल्लवी और श्रीलीला को फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है। फिल्म में मलयालम अभिनेता ममूटी के भी एक अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है। 'ओम चैप्टर 1: उधिरम- द ब्लड वुड' 16 अक्तूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

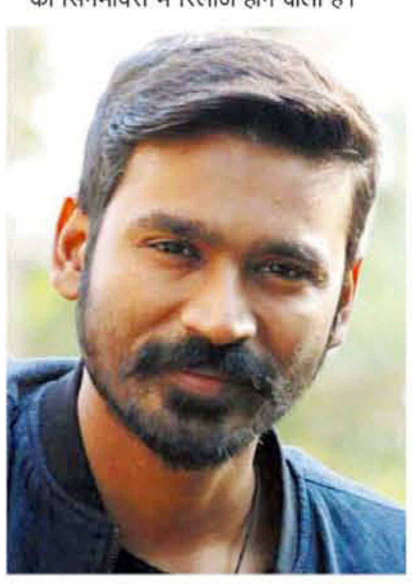

'सतलुज' को ओटीटी से हटाए जाने पर बोलीं नीरू बाजवा

पंजाबी एक्ट्रेस नीरू बाजवा ने सोशल मीडिया पर दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' को ओटीटी प्लेटफॉर्म से हटाए जाने पर निराशा जाहिर की है। फिल्म को रिलीज होने के सिर्फ 2 दिन बाद ही हटा दिया गया था। नीरू ने दिलजीत के साथ कई फिल्मों में काम किया है। उन्होंने कहा कि दर्शकों को यह चुनने का हक है कि वे किसी फिल्म का समर्थन करना चाहते हैं या उसकी आलोचना करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि दर्शकों को यह जानने का हक है कि फिल्म को अचानक ओटीटी प्लेटफॉर्म से क्यों हटाया गया।

नीरू ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि मैंने 'सतलुज' देखी, भावनाएं निश्चित रूप से जागृत हुईं। एक फिल्म मनोरंजन से कहीं बढ़कर है। यह उसके निर्माताओं की आवाज, उनका जुनून, उनका सच और बरसों की कड़ी मेहनत है। किसी के पास भी बिना जवाबदेही के उसे दबाने की ताकत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग किसी फिल्म का समर्थन करें या उसकी आलोचना, यह उनका फैसला होना चाहिए। दर्शकों से यह विकल्प छीनना गलत है। हमें इसे देखने, खुद सोचने और यह तय करने का हक है कि हमारे लिए इसका क्या मतलब है। अगर 'सतलुज' को हटाया गया है तो जनता को स'चाई जानने का हक है। हमें स्पष्टीकरण चाहिए, खामोशी नहीं। पारदर्शिता कोई विशेषाधिकार नहीं है; यह एक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि पंजाबी होने के नाते, उन्हें सवाल पूछने का हक है अगर उनकी मातृभूमि की कहानियों को उनसे छिपाया जाता है। अभिनेत्री ने कहा कि हम कुछ खास नहीं मांग रहे हैं। हम स'चाई, निष्पक्षता और फिल्म को अनुभव करने और अपनी राय बनाने की आजादी मांग रहे हैं। हमारी आवाज मायने रखती है। हमारी कहानियां मायने रखती हैं और स'चाई मायने रखती है। मंगलवार को नीरू ने एक और सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उन्हें यह बहुत गलत लगा कि 'सतलुज' को ओटीटी प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया, जबकि उन्हें फिल्म देखने का मौका भी नहीं मिला था। उन्होंने लिखा कि पंजाबी कलाकार के तौर पर मुझे गर्व है, लेकिन 'सतलुज' को हटाए जाने से निराशा महसूस हुई। हमारी संस्कृति और पहचान को दर्शाने वाली कहानियां देखे जाने के लायक हैं, दबाए जाने के लायक नहीं। यह फैसला हमारे समुदाय के लिए अन्यायपूर्ण और दिल तोड़ने वाला है।

सेंसरशिप के खिलाफ लंबी लड़ाई के बाद, 'सतलुज' आखिरकार जी-5 पर रिलीज हुई। हालांकि, रिलीज के सिर्फ 2 दिन बाद ही भारत में फिल्म को हटा दिया गया।

लॉस एंजिल्स में भाषा से जुड़ी चुनौतियों पर बोलीं सना सईद

सुपरहिट फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में शाहरुख खान की बेटी 'अंजलि' का किरदार निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली अभिनेत्री सना सईद ने सोशल मीडिया पर अपना एक अनुभव साझा किया। दरअसल, उन्होंने विदेश में रहने के दौरान भाषा, उच्चारण और संवाद से जुड़ी कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की। सना सईद आज लॉस एंजिल्स में रहती हैं और अपने करियर और जीवन को नए तरीके से आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने अमेरिका पहुंचने के शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प अनुभव बताया। सना ने बताया, 'साल 2016 में मैं पहली बार पढ़ाई के लिए लॉस एंजिल्स आई थी। इस दौरान मुझे रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों में भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा मुझे एहसास हुआ कि अगर मुझे अमेरिका में लंबे समय तक रहना है, तो मुझे अपने बातचीत करने के तरीके पर काम करना होगा, क्योंकि सुना जाना सबसे जरूरी है। इसके बाद मैंने अपने उच्चारण और बोलने के तरीके पर ध्यान देना शुरू किया और इसके लिए ट्रेनिंग भी ली।'' सना ने बताया कि यह प्रक्रिया आसान नहीं थी। किसी नए देश में जाकर वहां की भाषा के अनुसार खुद को ढालना बिल्कुल एक नई भाषा सीखने जैसा होता है। इसमें समय, मेहनत और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, ''कई लोग सोचते हैं कि उच्चारण बदलना बहुत आसान है, लेकिन असल में इसके पीछे बहुत मेहनत और आत्मविश्वास की जरूरत होती है।''

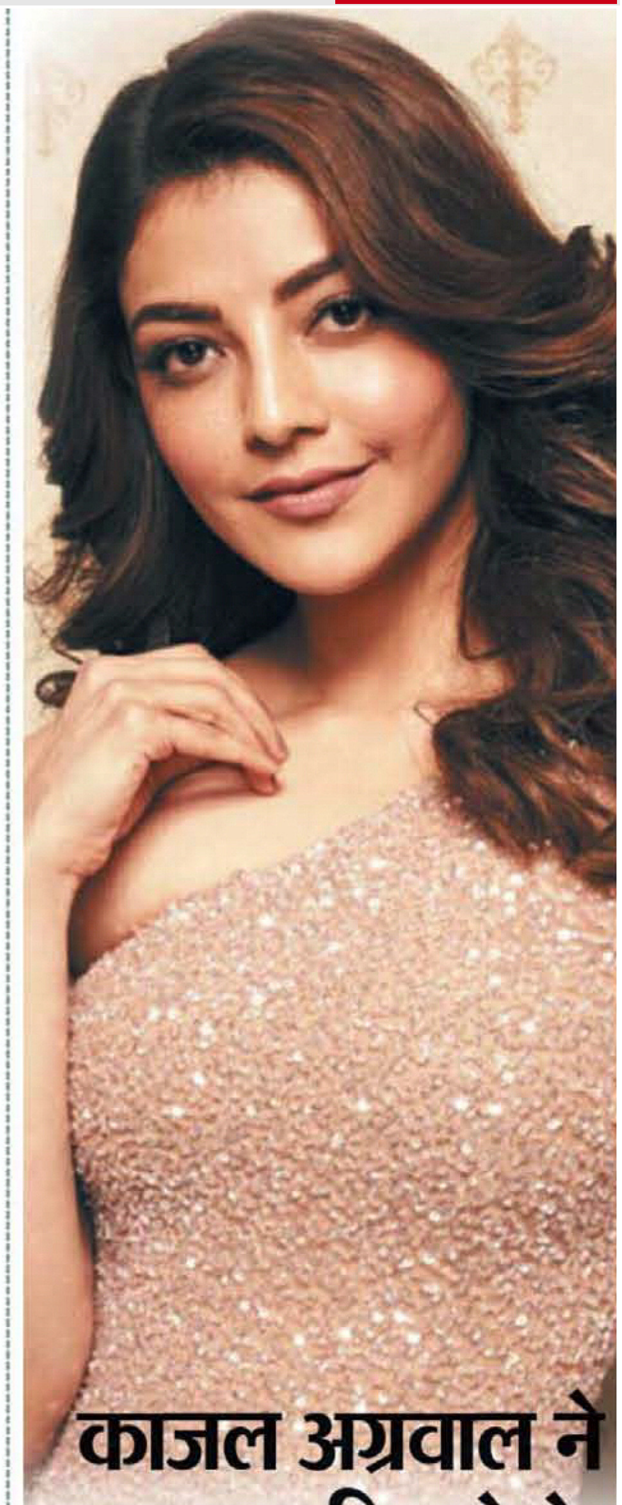

काजल अग्रवाल ने खूबसूरत दिखने के दबाव पर रखी राय

काजल अग्रवाल ने अभिनेत्रियों के परफेक्ट दिखने के दबाव को लेकर बात की है। उनका मानना है कि आज की एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में आने के लिए ज्यादा कड़ी जांच-परख का सामना करना पड़ता है। उन्होंने माना कि उन्हें उन युवा एक्ट्रेस के लिए बुरा लगता है जो इंडस्ट्री के खूबसूरती के पैमानों से जूझ रही हैं।

पहले दबाव कम था

जूम के साथ बातचीत में काजल ने खूबसूरत दिखने के दबाव को लेकर कहा 'समय बहुत अलग था। सोशल मीडिया नहीं था। बाहरी तौर पर एक्स्ट्रा जजमेंट नहीं होते थे। ऐसे कोई एयरपोर्ट लुक नहीं थे, जिनके लिए आपको सफाई देनी पड़े। आप बस जैसे हैं, वैसे ही रह सकते थे और किसी कमरे या एयरपोर्ट में आराम से जा सकते थे। पूरी तरह तैयार होकर ट्रैवल करना आसान नहीं है। शुक्र है कि उस समय मुझे इन सब चीजों का सामना नहीं करना पड़ा।'

युवा लड़कियों के लिए बुरा लगता है

काजल ने आगे कहा 'फिल्ममेकर्स की तरफ से जजमेंट जरूर आते थे, जैसे वे चाहते थे कि मैं मोटी या पतली दिखूं या कुछ और। ऐसी बातें होती थीं। मगर मुझे लगता है कि तब भी चीजें आसान थीं। तब इतना क्रूर माहौल नहीं था। इसलिए मुझे अभी की युवा लड़कियों के लिए बुरा लगता है। मुझे सच में उम्मीद है कि वे अपनी जगह बना पाएंगी।'

'ना' कहना सीखना जरूरी है

काजल ने यह भी कहा कि उनमें हमेशा उन स्थितियों से बाहर निकलने का आत्मविश्वास रहा है, जिनमें वे सहज नहीं थीं। उन्होंने कभी भी सिर्फ मौके पाने के लिए 'हां' कहने का दबाव महसूस नहीं किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर बात पर सहमत होने के बजाय 'ना' कहना सीखना कहीं ज्यादा जरूरी है। काजल अभी अपनी अपकमिंग फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। चेतन डीके के निर्देशन में बनी इस फिल्म में श्रेयस तलपड़े भी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म पेस्टिसाइड (कीटनाशक) वाली खेती और समाज पर इसके असर को दिखाती है। यह 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

राम कपूर का छलका दर्द

गौतमी और मैंने भी इंडस्ट्री में झेला उम्र का भेदभाव

टीवी के लोकप्रिय अभिनेता राम कपूर ने अपने करियर में कई यादगार किरदार निभाए हैं और दर्शकों का भरपूर प्यार हासिल किया है। वह अक्सर मनोरंजन जगत के उस सच पर खुलकर बात करते दिखते हैं, जिसके बारे में कलाकार बोलने से बचते नजर आते हैं। इस कड़ी में राम कपूर ने बताया कि इंडस्ट्री में उम्र बढ़ने के साथ कलाकारों को किस तरह नजरअंदाज किया जाता है। साथ ही बताया कि उनकी पत्नी और अभिनेत्री गौतमी कपूर भी इसी तरह के दौर से गुजर चुकी हैं।

राम कपूर ने यह खुलासा नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के दौरान आकांक्षा चमोला से बातचीत में किया। दरअसल, शो में आकांक्षा चमोला ने राम कपूर से कहा कि वह जल्द ही अपने पति गौरव खन्ना से अलग रहकर अपनी नई शुरुआत करने वाली हैं। ऐसे में उन्हें अपना नया ठिकाना बनाना होगा और करियर को भी नए सिरे से संभालना पड़ेगा। उन्होंने राम से कहा कि इस सफर में उन्हें उनकी मदद की जरूरत पड़ सकती है। आकांक्षा की बात सुनकर राम ने बिना किसी झिझक के उनका साथ देने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह अपनी पूरी टीम को उनकी मदद के लिए लगा देंगे।

बातचीत के दौरान आकांक्षा ने मनोरंजन इंडस्ट्री की एक बड़ी समस्या का जिक्र करते हुए कहा कि यहां कलाकारों की उम्र को लेकर बहुत जल्दी धारणा बना ली जाती है। जैसे ही कोई कलाकार 35 साल की उम्र पार करता है, उसे यह कहकर अलग कर दिया जाता है कि अब वह पहले जैसा नहीं रहा। इससे कलाकारों के लिए नए मौके कम होने लगते हैं और करियर पर असर पड़ता है। आकांक्षा ने राम कपूर से बात करते हुए कहा, 'आप जानते हैं कि लोग हमारी उम्र को अच्छी नजर से नहीं देखते। दुर्भाग्य से जैसे ही कोई कलाकार 35 साल का होता है, उसे यह कहकर अलग कर दिया जाता है कि वह अब बहुत उम्रदराज हो गया है। मुझे इस दुनिया की ज्यादा समझ नहीं है। मैं जितना कर सकती थी, उतना किया है। अब उम्मीद है कि आगे भी काम मिलता रहे, ताकि मैं अपनी जिंदगी सुरक्षित बना सकूं।' आकांक्षा की बातें सुनकर राम कपूर ने कहा कि उनकी स्थिति उन्हें अपनी पत्नी गौतमी कपूर की याद दिलाती है। उन्होंने बताया कि गौतमी भी अपने करियर में ऐसे ही दौर से गुजरी हैं और वह इस दर्द को अच्छी तरह समझते हैं।

राम ने कहा, 'गौतमी और मैंने भी उम्र का भेदभाव झेला है। शुरुआत में गौतमी भी इसी तरह की परिस्थितियों से गुजरी थीं। मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन जो दौर तुम झेल रही हो, उससे गौतमी भी गुजर चुकी हैं। वह मेरी पत्नी हैं, मेरी दुनिया हैं, मेरा प्यार हैं। इसलिए मैं समझ सकता हूं कि तुम किस स्थिति में हो। मैं तुम्हारे लिए जितना संभव होगा, उतनी मदद करूंगा।' बता दें कि नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई चर्चित चेहरे भी शामिल हैं।

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630